संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 273
पृष्ठ 8
मंगलवार
23 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- २ मिनट में तैयार नूडल्स सेहत..

विचार- मानसून की बारिश को भूल जाइए...

खेल- रोहित शर्मा: क्या हिटमैन हैं भारत के...

फिरोजाबाद के ग्लास उद्योग ने चीन का पीछे छोड़ा : सीएम योगी

- योगी बोले- सही बटन दबाने पर मिलता है विकास।
- फिरोजाबाद में कहा- सपा के एजेंडे में विकास नहीं, 658 करोड़ की 81 परियोजनाओं का किया लोकार्पण।
- सपा-बसपा और कांग्रेस के लोग अंधेरे के आदी थे, क्योंकि इनकी डकैती... सीएम योगी ने विपक्ष को कोसा।

फिरोजाबाद (संवाददाता)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनपद फिरोजाबाद को 658 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 81 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। टूंडला के उसायनी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्मित आवासों की चाबियां 568 लाभार्थियों को सौंपीं। योजनाओं का लाभ वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुहाग नगरी फिरोजाबाद ने अपने उद्यमियों और श्रमिकों के परिश्रम से लोकल से ग्लोबल बनने की बड़ी यात्रा तय की है। उन्होंने फिरोजाबाद को पहचान दिलाने वाले उद्यमियों और श्रमिकों का अभिनंदन करते हुए बाबा नीम करौली की जन्मस्थली से जुड़े जनपद फिरोजाबाद और टूंडला को नमन किया।

उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद का अधिकार है कि वह विकास परियोजनाओं का साक्षी बने। उन्हें प्रसन्नता है कि 650 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं केवल दो विधानसभाओं को मिल रही हैं। भविष्य में जब पांचों विधानसभाओं के लिए कार्य होंगे तो यह राशि और अधिक होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में कार्य कर रही है, लेकिन इसका श्रेय जनता को भी जाता है। उन्होंने कहा कि जब मतदाता सही निर्णय लेते हैं, ईवीएम का सही बटन दबाते हैं और मनीष असीजा तथा प्रेमपाल जैसे जनप्रतिनिधियों को चुनते हैं, तब बदले में विकास मिलता है। इसी कारण फिरोजाबाद की यात्रा लोकल से ग्लोबल की बनी है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि फिरोजाबाद का ग्लास उद्योग अब नवाचार का नया केंद्र बन गया है और इसने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि पहले त्योहारों पर चीन में बने उत्पाद बाजार में दिखाई देते थे, लेकिन अब यहां के कारीगरों ने नई तकनीक और डिजाइन अपनाकर बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद बनाना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि आज ग्लास से बनी सुंदर मूर्तियां और प्रतिकृतियां देखकर लोग आश्चर्य करते हैं और पूछते हैं कि इन्हें किसने बनाया है। तब गर्व से बताया जाता है कि इन्हें फिरोजाबाद के कारीगरों ने तैयार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गणपति, राम दरबार, राधा-कृष्ण, भगवान शिव, बुद्ध और अन्य देवी-देवताओं की सुंदर प्रतिमाएं बनाना यहां के कारीगरों की विशेषता है। कला और प्रतिभा पहले भी थी, लेकिन वर्ष 2017 से पहले उसे मंच और प्रोत्साहन नहीं मिलता था।

उन्होंने कहा कि नौ वर्ष पहले मनीष असीजा उनके पास आए थे और पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की बाधाओं से उद्योगों के प्रभावित होने की बात कही थी। सरकार ने अनावश्यक बाधाएं हटाईं, तकनीक उपलब्ध कराई, गैस आपूर्ति सुनिश्चित की और उद्योगों को आगे बढ़ाने का काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फिरोजाबाद में स्थापित लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा जनपद को नई पहचान देने के साथ सनातन धर्मावलंबियों को अपनी विरासत की याद दिला रही है। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर भले ही महाराष्ट्र में जन्मी हों और इंदौर की महारानी रही हों, लेकिन उनका कार्यक्षेत्र पूरे भारत में फैला था।

उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए अनेक धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी 300वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। सरकार ने भी उनकी स्मृति को सम्मान देने के लिए विभिन्न स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित कराईं और औरैया मेडिकल कॉलेज का नाम उनके नाम पर रखा।

भाजपा ने गजनी की तरह लूटा राम मंदिर : राउत

मुंबई (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और दान के पैसों में कथित हेरफेर को लेकर शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने भाजपा को बड़ा हमला बोला है। संजय राउत ने उत्तर प्रदेश और केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी ने गजनी की तरह राम मंदिर के पैसों को लूटा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सरकार भगवान राम के श्राप से गिर जाएगी। इस दौरान राउत ने संघ प्रमुख मोहन भागवत से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग भी की है। संजय राउत ने सोमवार को पत्रकारों के बातचीत में कहा, षजिस तरह महमूद गजनी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा था, ठीक उसी तरह बीजेपी ने राम मंदिर को लूटा है।ष उन्होंने आम आदमी पार्टी के संजय सिंह के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा वालों ने राम के पादुकाओं की भी चोरी की है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट में 500 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है और दान पेट तक गायब हो गई है। राउत ने आगे कहा कि इन सब में बीजेपी के लोग शामिल हैं और ष्ज जांच से भी कोई फायदा नहीं होगा। कोल्हापुर के प्रसिद्ध मंदिर का हवाला देते हुए राउत ने कहा, ष्कम से कम अंबाबाई मंदिर में कभी ऐसी चोरियां या डकैतियां नहीं हुईं। जो लोग अयोध्या के राम मंदिर तक की रक्षा नहीं कर सकते, उनमें इतनी हिम्मत कैसे है कि वे हमारे अंबाबाई मंदिर के विकास की बात करें।ष उन्होंने कहा, "ये सरकार राम के आशीर्वाद से आई है और राम से श्राप से ही जाएगी।" एक रिपोर्ट के मुताबिक राउत ने आगे कहा कि जिन कारसेवकों ने राम मंदिर के लिए अपना खून बहाया और सर्वोच्च बलिदान दिया, उसी मंदिर के चढ़ावे, सोने, चांदी और गहनों को आज खुलेआम लूटा जा रहा है। सांसद ने आरोप लगाया कि इन श्लुटेरोंश और देश के गृह मंत्री अमित शाह के बीच गहरी सांठगांठ है।

बागियों को आदित्य ठाकरे ने बताया बिकाऊ, वफादारी पर भी सवाल

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने अपनी पार्टी के बागी सांसदों पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने बागी सांसदों पर विचारधारा के बजाय निजी लालच को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। आदित्य ठाकरे ने इन सांसदों को बिकाऊ करार दिया। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने उन मतदाताओं के साथ धोखा किया है जिन्होंने उन्हें महाविकास अघाड़ी (MVA) और श्इंडियाश गठबंधन के समर्थन से जिताया था। आदित्य ठाकरे ने कहा कि ये सांसद कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी की मदद से चुनाव जीते थे। मतदाताओं ने एनडीए (NDA) के उम्मीदवारों और उनकी विचारधारा के खिलाफ वोट दिया था। लेकिन अब इन सांसदों ने अपनी वफादारी और प्रतिष्ठा को शर्मनाक तरीके से बेच दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक फायदे के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल कर रही है। आदित्य के अनुसार, इन सांसदों ने रातों-रात अपनी विचारधारा सिर्फ इसलिए बदल ली क्योंकि वे लालची हो गए थे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि चुनाव के समय इन नेताओं ने ही गठबंधन के बड़े नेताओं से अपने क्षेत्र में रैलियां करने की मांग की थी।

राहुल गांधी ने सीएम विजय को दी बधाई, बोले

मैं आपके साथ खड़ा हूँ

चेन्नई (एजेंसी)। सोमवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय 52 साल के हो गए। उन्हें सभी राजनीतिक दलों की ओर से जन्मदिन की बधाईयां मिलीं, जिनमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल थे। राहुल गांधी ने अभिनेता से राजनेता बने विजय का साथ देने का वादा किया, जो ग्रैंड ओल्ड पार्टी (कांग्रेस) के सबसे नए सहयोगी हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु जोसेफ विजय को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य और आपके सभी प्रयासों में सफलता की कामना करता हूं। तमिल लोगों के अधिकारों, सम्मान और आकांक्षाओं की रक्षा करने और राज्य की प्रगति के लिए मिलकर काम करने में मैं आपके साथ खड़ा हूं।

यह बधाई संदेश विजय द्वारा गांधी को उनके 56वें घ्ज्जन्मदिन पर इसी तरह गर्मजोशी से बधाई देने के ठीक तीन दिन बाद आया है। इससे दोनों नेताओं के बीच बढ़ती सार्वजनिक आत्मीयता का पता चलता है, जबकि पिछले महीने विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद तमिलनाडु में गठबंधन की स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। मुख्य विपक्षी पार्टी क्डज्ञ के अध्यक्ष और पूर्व ब्ड एम.के. स्टालिन ने भी विजय को बधाई दी, हालांकि उनका संदेश छोटा था। उन्होंने लिखा कि मैं कामना करता हूं कि आप खुशी और अच्छे स्वास्थ्य के साथ जनता की सेवा करते रहें।

एमके स्टालिन ने पिछले हफ्ते राहुल गांधी को भी उनके जन्मदिन पर बधाई दी थी और उन्हें गर्मजोशी भरा जवाब मिला था। इससे यह अटकलें तेज हो गईं कि क्या कांग्रेस-विजय के बीच बनी नई नजदीकी से कांग्रेस और क्डज्ञ के पुराने रिश्ते पर असर पड़ने के बाद भी कांग्रेस के नेतृत्व वाला प्छक्प्। गठबंधन इस उथल-पुथल से उबर पाएगा। चुनाव के बाद, कांग्रेस ने हारने वाली मौजूदा पार्टी क्डज्ञ का साथ देने के बजाय विजय की ज्टज्ञ को समर्थन दिया, जो सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। इस कदम पर क्डज्ञ के भीतर से तुरंत तीखी प्रतिक्रियाएं आईं।

पार्टी नेता उदयनिधि स्टालिनकृजो एम.के. स्टालिन के बेटे हैं और जिन्हें व्यापक रूप से उनका राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता हैकृने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने क्डज्ञ के साथ धोखा किया है।

ग्रामीण मजदूरी के आंकड़ों में सरकार कर रही है हेराफेरी : कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार ग्रामीण मजदूरी के आंकड़ों में हेराफेरी से कृत्रिम वृद्धि का भ्रम पैदा कर रही है, जबकि वास्तविक मजदूरी वृद्धि पिछले चार वर्षों में सबसे कमजोर स्तर पर है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कांग्रेस ने 2024 में ही आगाह कर दिया था कि सरकार ने रिजर्व बैंक के माध्यम से रोजगार की परिभाषा बदलकर वित्त वर्ष 2018 के बाद 16.8 करोड़ नई नौकरियां सृजित होने का दावा किया था। अब सरकार ग्रामीण मजदूरी के आंकड़ों के साथ भी वैसा ही खेल कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की सुस्ती का मूल कारण वास्तविक मजदूरी का ठहराव है, जिससे उपभोग वृद्धि घटी है और निजी निवेश प्रभावित हुआ है। इसका असर देश के श्रमिक वर्ग पर भी पड़ा है। श्री रमेश ने आरोप लगाया कि जून 2025 से मार्च 2026 के बीच ग्रामीण मजदूरी वृद्धि दर में दिखाई गई तेज बढ़ोतरी कार्यप्रणाली में बदलाव का परिणाम है।

राशन कार्ड धारकों के लिए बड़ी खबर

देशभर में कहीं से भी ले सकेंगे अपना राशन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राशन कार्ड धारकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। सरकार ने अनाज वितरण व्यवस्था में अहम बदलाव करते हुए ऐसी सुविधा शुरू की है, जिससे अब लाभार्थियों को केवल एक ही राशन दुकान पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। One Nation One Ration Card

(ONORC) योजना के तहत पात्र लोग अब अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी उचित मूल्य की दुकान से गेहूं, चावल ले सकेंगे। इस नई व्यवस्था से लंबी कतारों, राशन की कमी और तकनीकी समस्याओं के कारण होने वाली परेशानियों में कमी आएगी। अब तक कई लोगों को राशन लेने के दौरान लंबी कतारों, बायोमेट्रिक वैरिफाई में दिक्कत या दुकान पर अनाज की कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। नई सुविधा लागू होने के बाद लाभार्थी अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी अधिकृत राशन दुकान से अनाज ले सकेंगे। इससे राशन लेने में लगने वाला समय कम होगा और लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी। One Nation One Ration Card (ONORC) केंद्र सरकार की एक अहम योजना है, जिसका उद्देश्य देशभर में राशन वितरण को पोर्टेबल बनाना है। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थी अपने राशन कार्ड का उपयोग भारत के किसी भी राज्य या जिले में कर सकते हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी, कहा

देशभर के किसान भी आंदोलन में शामिल हों

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन सोमवार को तीसरे दिन भी जारी है। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन का नेतृत्व सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके और उनके समर्थक कर रहे हैं। सीजेपी ने नीट पेपर लीक में सुसाइड करने वाले छात्रों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज शाम 5:30 बजे प्रदर्शनकारियों से जंतर-मंतर पर मोमबत्तियां लेकर आने की अपील की। उन्होंने वीडियो जारी करते हुए कहा कि हजारों लोग जंतर-मंतर पर आ रहे हैं और यह प्रदर्शन धीरे-धीरे मजबूत हो रहा है। पुलिस से डरने की कोई जरूरत नहीं है, वे हमारे साथ हैं। इससे पहले दीपके ने रविवार को कहा था कि जब किसान अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे थे, तब छात्रों ने उनका साथ दिया था। अब छात्रों को किसानों की जरूरत है।

कोटा, बीकानेर के बाद जोधपुर में सर्जरी से प्रसव के बाद 8 महिलाओं की तबियत बिगड़ी

स्वास्थ्य मंत्री बोले, 'प्रसव पीड़ा से बचने के लिए महिलाएं कराती हैं सर्जरी'

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाओं पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। कोटा और बीकानेर के बाद अब जोधपुर में आठ महिलाओं को सर्जरी से प्रसव के पश्चात गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो गयी हैं जिससे हर कोई हैरान है। इसी बीच राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने यह कह कर नया विवाद खड़ा कर दिया है कि प्रसव पीड़ा से बचने के लिए महिलाएं सर्जरी के जरिये बच्चा पैदा करना चाहती हैं। जहां तक ताजा घटनाक्रम की बात है तो आपको बता दें कि जोधपुर के जिला अस्पताल में ऑपरेशन से प्रसव के बाद आठ महिलाओं को गुर्दा फेल होने समेत कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो गई हैं।। महिलाओं ने सर्जरी के बाद अत्यधिक रक्तस्राव और निम्न रक्तचाप की शिकायत की। इनमें से दो महिलाओं को गंभीर गुर्दा संक्रमण हो गया, जिसके बाद उन्हें मथुरादास माथुर अस्पताल रेफर किया गया। वहां उनका उपचार गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में किया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। जांच के लिए ओटी से नमूने एकत्र किए गए हैं और रिपोर्ट आने तक सभी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं स्थगित कर दी गई हैं।

इससे पहले भी इसी तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें सर्जरी से प्रसव के बाद उत्पन्न जटिलताओं के कारण कोटा में चार महिलाओं और बीकानेर में दो महिलाओं की मौत हो गई थी। दिल्ली एम्स तथा अन्य केंद्रीय चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञों की एक टीम का गठन कर कोटा में हुई मौतों की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। बीकानेर की घटना में भी जांच शुरू की गई थी।

गलत दिशा से आ रही एंबुलेंस से भिड़ी कार, शिक्षिका और सात माह के बेटे की मौत

प्रयागराज। महेवाघाट थाना क्षेत्र में सोमवार को सरसवां ब्लॉक के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका और उनके सात माह के बेटे की मौत हो गई, जबकि पति और पांच वर्षीय बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। महेवाघाट थाना क्षेत्र में सोमवार को सरसवां ब्लॉक के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका और उनके सात माह के बेटे की मौत हो गई, जबकि पति और पांच वर्षीय बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। प्रतापगढ़ जिले के हथिगवां थाना क्षेत्र

के जायसवां गांव निवासी मोहम्मद फैजान फारूकी (46) अपनी पत्नी साइमा फारूकी (35), सात माह के बेटे अब्बास और पांच वर्षीय बेटी मनाल के साथ स्विफ्ट डिजायर कार से राजापुर जा रहे थे। साइमा राजापुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में अध्यापिका थीं। परिवार सरसवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास पहुंचा ही था कि सामने से कथित रूप से गलत दिशा से आ रही एंबुलेंस से कार की आमने–सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने साइमा फारूकी और उनके सात माह के बेटे अब्बास को मृत घोषित कर दिया। वहीं मोहम्मद फैजान फारूकी और बेटी मनाल का गंभीर हालत में उपचार जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

लू और उमस से लोग बेहाल, 27 जून तक राहत के आसार नहीं

प्रयागराज। मानसून की सुस्त चाल और लगातार बढ़ रही आर्द्रता के बीच जिले में भीषण गर्मी का दौर जारी है। दिन में लू और रात में उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने 27 जून तक गर्मी से राहत मिलने की संभावना से इनकार किया है। जिले में भीषण गर्मी और उमस का कहर

लगातार जारी है। लू के थपेड़ों और बढ़ती नमी ने लोगों का जनजीवन प्रभावित कर दिया है। दिन के साथ–साथ रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 27 जून तक मौसम का मिजाज लगभग ऐसा ही बना रहेगा और गर्मी से तत्काल राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। अत्यधिक तापमान और उमस के कारण लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम हो गई है और बाजारों में भी सन्नाटा दिखाई दे रहा है। लोग केवल जरूरी कार्यों के लिए ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। गर्म हवाओं और उमस भरे मौसम ने दैनिक जीवन को प्रभावित कर दिया है। गर्मी का असर स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में लू, डिहाइड्रेशन और अन्य मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। चिकित्सकों ने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक लू चलने की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार वातावरण में नमी बढ़ने और हवा की गति कम रहने से उमस अधिक महसूस हो रही है। लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के एवं सूती कपड़े पहनने तथा दोपहर 11 बजे से शाम चार बजे तक अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 27 जून के बाद तापमान में कुछ गिरावट आ सकती है, लेकिन मानसून की सक्रियता में अभी समय लग सकता है। ऐसे में आने वाले कुछ दिनों तक लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है।

दो से तीन गुना महंगे हुए चार्जर, लैपटॉप व पेन ड्राइव

प्रयागराज। महंगाई का असर अब लोगों के डिजिटल जीवन को भी प्रभावित कर रहा है। मोबाइल चार्जर, डेटा केबल, पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड से लेकर कंप्यूटर को रफ्तार देने वाली रैम और एसएसडी जैसे उपकरणों की कीमतों में दो से तीन गुना तक की भारी बढ़ोतरी हुई है। महंगाई का असर अब लोगों के डिजिटल जीवन को भी प्रभावित कर रहा है। मोबाइल चार्जर, डेटा केबल, पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड से लेकर कंप्यूटर को रफ्तार देने वाली रैम और एसएसडी जैसे उपकरणों की कीमतों में दो से तीन गुना तक की भारी बढ़ोतरी हुई है। उपकरणों के दाम

बढ़ने का असर छात्रों, फोटोग्राफरों और छोटे कारोबारियों पर पड़ रहा है। शहर के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार लक्ष्मण मार्केट, इंदिरा भवन के कारोबारियों का कहना है कि जो पेन ड्राइव छह महीने पहले महज 250 रुपये में आसानी से मिल जाती थी, उसकी कीमत अब बढ़कर 400 से 500 रुपये तक पहुंच चुकी है। यही हाल उच्च क्षमता वाले 64 जीबी और 128 जीबी के मेमोरी कार्ड का भी है। पुरानी मशीनों को नया जीवन देने वाले कंप्यूटर अपग्रेडेशन पार्ट्स जैसे रैम और एसएसडी स्टोरेज की कीमतों में भी 30 से 70 फीसदी तक का उछाल आया है। इन उपकरणों के दाम बढ़ने से नए लैपटॉप मॉडल्स की कीमतों में भी 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी जा रही है। इंदिरा भवन में खरीदारी करने पहुंचे छात्र राघवेंद्र गुप्ता ने कहा कि पढ़ाई का एक बड़ा हिस्सा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट हो चुका है।

तिरस्कार ने बनाया रोगी, दुश्मन लगने लगी बेटी: ससुराल वालों ने निकाला, मायके ने नहीं अपनाया, हुई मानसिक रोगी

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज से रिश्तों की झकझोर देने वाली कहानी सामने आई है। प्रसव के बाद महिला ने अपनी ही बेटी से मुंह फेर लिया है। महिला लड़का पाने के दबाव में मानसिक रोगी हो गई है। ससुराल वालों ने उसे निकाल दिया है। मायके वालों ने उसे अपनाया नहीं है। काउंसलिंग में पोस्टपार्टम डिप्रेशन रोग की पुष्टि हुई है।

दम तोड़ते रिश्तों की झकझोर देने वाली कहानी सामने आई है। कौशाम्बी की एक बेटी को अपनों से ऐसा तिरस्कार मिला कि वह अपना अस्तित्व ही भूल गई। बेटी पैदा हुई तो उसके प्रति भी विमुख हो गई। दरअसल, गर्भ में बेटी होने का पता चला तो ससुराल वालों ने घर से निकाल दिया। मायके वालों ने भी साथ नहीं दिया। वह लावारिस हालत में भटकती रही। अब वह मानसिक रोगी हो चुकी है। उसकी बेटी अनाथों की तरह पल रही है।

अगस्त 2025 में किसी दिन मंझनपुर थाना क्षेत्र के एक ग्राम प्रधान ने पुलिस को सूचना दी कि एक गर्भवती महिला लावारिस हालत में पड़ी है। पुलिस ने उसे कौशाम्बी के वन स्टॉप सेंटर पहुंचाया। महिला के पैर में सफेद धब्बे थे। उसकी हालत ठीक नहीं थी। वह अपने बारे में कुछ बता नहीं पा रही थी।

एक महीने तक महिला का उपचार चला। इस दौरान उसने एक बच्ची को जन्म दिया। प्रसव के बाद महिला ने बेटी से दूरी बना ली। पूरा–पूरा दिन वह उसकी तरफ देखती तक नहीं। इससे वन स्टॉप सेंटर के सदस्यों की परेशानी बढ़ गई।

उसकी मनोचिकित्सक से काउंसलिंग कराई गई। बेहतर इलाज के लिए उसे प्रयागराज रेफर कर दिया गया। जांच में पाया गया कि महिला पोस्टपार्टम डिप्रेशन नामक मानसिक रोग की शिकार है। हालत थोड़ी ठीक हुई तो उसने बताया कि पति और सास–ससुर बेटा पैदा करने का दबाव बनाते थे। उसे घर से निकाल दिया गया है। उसके रहने का कोई

ठिकाना नहीं है। वह मंझनपुर कैसे पहुंची, इस बारे में कुछ नहीं बता सकी।

ससुराल, ननिहाल और मायके में नहीं मिली जगह

पड़ताल में सामने आया कि महिला का मायका सिराथू के एक गांव में है। 12 साल की उम्र में मां की मौत हो गई। पिता ने दूसरी शादी कर ली। बेटी को नाना–नानी अपने साथ ले गए। उन्होंने सही उम्र में बेटी की शादी अयोध्या में कर दी थी। कुछ समय बाद नाना–नानी की भी मौत हो गई। इसके बाद से उसका मायके से संबंध खत्म हो गया। न तो पिता ने उसकी सुध ली, न ही मामा–मामी ने।

खोजबीन में पता चला कि महिला का 12 साल का एक बेटा भी है। सास नहीं है। ससुर ने बहू को रखने से मना कर दिया है। ससुर ने बताया कि उसका बेटा और बहू दोनों मानसिक रोगी हैं। ऐसे में वह सिर्फ पोते की ही परवरिश कर सकता है। ससुर का कहना है कि महिला अपने मन से घर से चली गई। महिला का कहना है कि उसे घर से निकाल दिया गया। ससुराल से निकाले जाने के बाद महिला को मंझनपुर ननिहाल और सिराथू में पिता के यहां रहने के लिए जगह नहीं मिली। मामा–मामी ने भी रखने से मना कर दिया।

कौन ले सुध, कौन कराए कार्रवाई

महिला बेसुध हालत में अनाथों की तरह रह रही है। ससुराल से निकाले जाने की स्थिति में उनके खिलाफ कौन शिकायत दे। कौन पैरवी करे, यह सवाल बना हुआ है? सवाल ये भी है कि अपना घर होते हुए भी क्या नवजात जीवन भर अनाथों की तरह रहेगी। वन स्टॉप सेंटर की टीम का कहना है कि इसके कानूनी पक्ष का अध्ययन किया जा रहा है। महिला की हालत में सुधार के बाद कोई निर्णय लिया जाएगा।

गर्भवती महिलाओं का अधिक चिंता करना पोस्टपार्टम मानसिक रोग का कारण है। फिलहाल महिला का उपचार चल रहा है। महिला के सामने शर्त रखी गई है कि वह दवा खाने के बाद ही अपनी बच्ची से मिल सकती है। दिन में जब उसे बच्ची की याद आती है तो दवा दी जाती है। उसकी काउंसलिंग और थेरेपी चल रही है। –पंकज कौटार्य, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, कॉल्विन अस्पताल।

महिलाओं को मुख्य रूप से एंटीडिप्रेसेंट (उदासी–रोधी) दवाएं और कुछ मामलों में नई न्यूरोएक्टिव दवाएं दी जा रही हैं। इन दवाओं का चयन महिला के लक्षणों की गंभीरता और स्तनपान कराने की स्थिति के आधार पर तय किया जाता है। फिलहाल महिला पहले से थोड़ी बेहतर है।–डॉ. राकेश पासवान, मनोचिकित्सक परामर्शदाता, कॉल्विन अस्पताल।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 का भव्य आयोजन एवं 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान

प्रयागराज। माननीय महापौर श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी की अध्यक्षता एवं नगर आयुक्त श्री सीलम साईं तेजा जी के नेतृत्व में नगर निगम प्रयागराज परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस वर्ष की थीम ष्व्वहं वित भ्मंसजील ।हमपदहष् के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम के समस्त पार्षदगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारीगण तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं मंगलाचरण के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा एवं सकारात्मकता का संचार हुआ। तत्पश्चात योग प्रशिक्षक श्री आनंदेश्वर राय (आर्ट ऑफ लिविंग) ने अपने कुशल मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया तथा योग को स्वस्थ, संतुलित एवं दीर्घायु जीवन का आधार बताया।

अपने संबोधन में माननीय महापौर जी ने कहा कि योग

भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा को जोड़कर व्यक्ति को स्वस्थ एवं सशक्त बनाती है। वहीं नगर आयुक्त श्री सीलम साईं तेजा जी ने नागरिकों से नियमित योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया तथा स्वस्थ प्रयागराज के निर्माण में सहभागिता की अपील की।

योग सत्र के उपरांत पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने हेतु ष्एक पेड़ माँ के नामष् अभियान के अंतर्गत नगर निगम परिसर में वृक्षारोपण किया गया। उपस्थित जनों ने अपनी माताओं के सम्मान एवं प्रकृति संरक्षण के संदेश के साथ पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता का सशक्त संदेश दिया गया। योग और वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों ने यह सिद्ध किया कि स्वस्थ नागरिक और स्वच्छ–हरित वातावरण मिलकर ही एक समृद्ध एवं विकसित समाज का निर्माण कर सकते हैं।

नगर निगम प्रयागराज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने योग, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनमानस में नई चेतना एवं जागरूकता का संचार किया।

योग अपनाएं – स्वस्थ जीवन पाएं,

एक पेड़ माँ के नाम लगाएं – प्रकृति का ऋण चुकाएं।

यूपीसीए के स्पीड हंट में नौ गेंदबाजों ने साबित की अपनी प्रतिभा

प्रयागराज। केपी कॉलेज मैदान पर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित स्पीड हंट सर्च में प्रयागराज और वाराणसी मंडल के 450 तेज गेंदबाजों ने अपनी रफ्तार, स्विंग और लाइन–लेंथ के जरिये दमखम दिखाया। केपी कॉलेज मैदान पर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित स्पीड हंट सर्च में प्रयागराज और वाराणसी मंडल के 450 तेज गेंदबाजों ने अपनी रफ्तार, स्विंग और लाइन–लेंथ के जरिये दमखम दिखाया। ट्रायल में छह बालक और तीन बालिका मापदंडों पर खरे उतरे। यूपीसीए के संयुक्त सचिव डॉ. उमर मुस्तफा हसन ने बताया कि दो दिन के ट्रायल के बाद कुल नौ तेज गेंदबाज निर्धारित मापदंडों पर पूरी तरह खरे उतरे हैं। इन खिलाड़ियों में पांच बालक और दो बालिकाएं प्रयागराज की हैं।

बालक वर्ग में प्रयागराज के श्री सहायक क्रिकेट एकेडमी के प्रशिक्षु और इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन में पंजीकृत क्रिकेटर वंश शर्मा स्पीड हंट में सबसे तेज गति के गेंदबाज के रूप में उभरे हैं। ट्रॉयल में वंश शर्मा ने 134 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी की। 132 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के साथ वाराणसी के संगम सिंह दूसरे और इसी रफ्तार के साथ प्रयागराज के विशाल यादव तीसरे स्थान पर रहे। 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के साथ प्रयागराज के आशु उपाध्याय चौथे, इसी रफ्तार के साथ प्रयागराज के शंकर प्रताप सिंह पांचवें और इसी रफ्तार के साथ प्रयागराज के शाश्वत कुमार छठे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में प्रयागराज की रिया सोनकर 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के साथ पहले स्थान पर रहीं। दक्षिण अफ्रीका में 2023 के अंडर–19 महिला वर्ल्ड कप जीतने वाले भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रहीं प्रयागराज की फलक नाज 98 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वाराणसी की शिब्बू यादव 92 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। श्री सहायक क्रिकेट एकेडमी के प्रबंधक प्रणय गुप्ता ने बताया कि भावापुर निवासी संजीव शर्मा के पुत्र वंश शर्मा केएन काटजू कालेज मैदान पर अमर चौधरी और हृदय नारायण पांडेय की देखरेख अभ्यास करते हैं। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज वंश वर्ष 2024 में यूपीसीए की अंडर–23 टीम का कैंप में शामिल रहे। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की टीम के अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में हिस ले चुके हैं।

सामूहिक विवाह: 390 रह गए कुंवारे, 10 बने दुल्हन के प्यारे

प्रयागराज। बहादुरगंज स्थित ठाकुरदीन के हाता में रविवार को केशरवानी वैश्य सभा की ओर से आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में प्रदेशभर से 400 युवक जीवनसंगिनी की तलाश में आए थे। बहादुरगंज स्थित ठाकुरदीन के हाता में रविवार को केशरवानी वैश्य सभा की ओर से आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में प्रदेशभर से 400 युवक जीवनसंगिनी की तलाश में आए थे। दिनभर परिचय और संवाद के बाद केवल 10 जोड़े ही विवाह बंधन में बंध सके। ऐसे में 390 युवकों को बिन दूल्हन के लौटना पड़ा। सम्मेलन में 10 जोड़ों में से चार पहले से ही एक–दूसरे को जानते थे। छह जोड़े मुलाकात के बाद एक–दूजे के हुए। आयोजकों ने सभी का सत्यापन कराने के बाद वैदिक रीति–रिवाज से शादी कराई। महापौर गणेश केशरवानी और कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने नवदंपतियों को आशीर्वाद दिए। आयोजक रजनीश केशरवानी ने बताया कि सुबह 10 बजे शुरू हुए सम्मेलन में 10 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। जोड़ों को नकद राशि, गृहस्थी का सामान और उपहार भी दिए गए। देर रात तक चले इस आयोजन ने सामाजिक एकता और सामूहिक विवाह की परंपरा को नई पहचान दी।

होटल रामा कॉन्टिनेंटल में भव्य प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज। होटल रामा कॉन्टिनेंटल में आयोजित पिटारा एग्ज़िबिशन 2026 का भव्य एवं सफल आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस प्रदर्शनी में लगभग 50 स्टॉल लगाए गए, जिनमें दिल्ली, आगरा, वाराणसी सहित विभिन्न शहरों से आए उद्यमियों एवं व्यवसायियों ने अपने उत्पादों और सेवाओं का आकर्षक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी प्लेटिनम के अध्यक्ष श्री अजय शर्मा जी, एवं रोटरी प्लेटिनम परिवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं शहर की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की इस पहल की प्रशंसा की। महिलाओं को आत्मनिर्भरता एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रदर्शनी को आगंतुकों का भरपूर सहयोग एवं स्नेह प्राप्त हुआ। दिनभर बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न स्टॉलों पर खरीदारी कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

सभी स्टॉल धारकों को उत्कृष्ट प्रतिसाद प्राप्त हुआ। आयोजक आरती अग्रवाल एवं अंशी अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों, सहयोगियों एवं आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ष्पिटारा का उद्देश्य महिलाओं को अपने हुनर, उत्पाद एवं व्यवसाय को एक सशक्त मंच प्रदान कर नई पहचान दिलाना है। भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाता रहेगा। कार्यक्रम की सफलता में सभी प्रतिभागियों, सहयोगियों एवं आगंतुकों का विशेष योगदान रहा, जिनके सहयोग से यह आयोजन यादगार एवं सफल बन सका।

अपहरण, दरिंदगी और सिगरेट से दागा, प्रयागराज में किशोरी के साथ हैवानियत की हदें पार, आरोपी का एनकाउंटर

प्रयागराज। प्रयागराज में घर में घुसकर किशोरी का अपहरण कर लिया गया। अपहरण के बाद किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और फिर सिगरेट से दाग दिया। मुठभेड़ में आरोपी को गोली लगी है।

प्रयागराज में किशोरी के साथ दरिंदगी की हदें पार कर दी गईं। पूरामुफ्ती थाना इलाके के एक गांव में 14 वर्षीय किशोरी का अपहरण करने और दुष्कर्म कर सिगरेट से दागने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक देर रात घर में घुसकर किशोरी को उठा ले गया। दुष्कर्म के बाद अचेत अवस्था में घर के बाहर छोड़कर फरार हो गया।

मुख्य आरोपी मुशर्रफ समेत तीन पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। पुलिस के मुताबिक, रविवार देर रात फतेहपुर घाट के पास वाहनों की चेकिंग के दौरान मुशर्रफ को रोका गया तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी गोलीबारी में आरोपी के दोनों पैर में गोली लगी है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

एफआईआर में पीड़िता के पिता ने बताया कि 14 जून की रात परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे। इस दौरान मुशर्रफ घर में घुस आया और बेटी को जबरन अपने साथ ले जाकर सुनसान स्थान पर दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसने सिगरेट से उसके शरीर को दागा। देर रात करीब दो बजे वह बेटी को घर के दरवाजे पर छोड़कर भाग निकला।

परिजनों ने घटना के बाद पुलिस को तहरीर दी। मामले ने तूल पकड़ा तो पुलिस ने रविवार को एफआईआर दर्ज कर ली। दिन में परिजनों के साथ ग्रामीणों ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थाने में हंगामा भी किया। इसके बाद पुलिस ने दो टीमें गठित कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पूरामुफ्ती थाना प्रभारी अविनाश सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी और किशोरी पिछले करीब छह महीने से एक दूसरे को जानते थे।

आरोपी मुशर्रफ के दोनों पैर में लगी एक–एक गोली

पोस्टमार्टम में नहीं पता चला एमबीबीएस छात्रा की मौत का कारण, विसरा सुरक्षित

प्रयागराज। झलवा स्थित यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की एमबीबीएस अंतिम वर्ष की छात्रा सृष्टि मिश्रा की मौत का कारण पोस्टमार्टम में भी स्पष्ट नहीं हुआ। रविवार को डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम के बाद विसरा सुरक्षित कर लिया। झलवा स्थित यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की एमबीबीएस अंतिम वर्ष की छात्रा सृष्टि मिश्रा की मौत का कारण पोस्टमार्टम में भी स्पष्ट नहीं हुआ। रविवार को डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम के बाद विसरा सुरक्षित कर लिया। रविवार को पोस्टमार्टम हाउस में छात्रा के पिता अनुराग मिश्रा समेत अन्य परिजन मौजूद रहे। बहन की मौत से टूट चुके भाई अनुराग मिश्रा ने कहा कि सृष्टि को कभी किसी गंभीर बीमारी की शिकायत नहीं थी। मिर्गी या थायराइड जैसी बीमारी होने की बात परिवार को कभी नहीं बताई गई। उन्होंने कहा कि कुछ ही दिन पहले ही बहन घर से प्रयागराज आई थी और स्वस्थ थी। इतने कम समय में ऐसा क्या हुआ कि उसकी जान चली गई यह समझ से परे है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्रह्माकुमारीज ने दिया योग और शांति का संदेश

बलदेव। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, बलदेव में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उमंग एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान योग और राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य का संदेश दिया गया। बलदेव केंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सीमा दीदी ने कहा कि जब हम अपनी दैनिक दिनचर्या में शारीरिक योग को शामिल करते हैं तो अनेक प्रकार की बीमारियों से बच

सकते हैं। इसी प्रकार आत्मा को सुख, शांति, प्रेम, सादगी एवं दिव्य गुणों से भरपूर रखने के लिए राजयोग मेडिटेशन तथा परमात्मा से आत्मिक संबंध जोड़ना आज के समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इससे व्यक्ति बुराइयों एवं विकारों से दूर रहकर सकारात्मक जीवन जी सकता है। उन्होंने कहा कि 21 जून योग का संदेश लेकर आता है, जो तन, मन और आत्मा को संतुलन का मार्ग दिखाता है। योग से जीवन में शांति, शक्ति, एकाग्रता और आत्मबल का विकास होता है तथा सकारात्मक विचारों का संचार होता है। कार्यक्रम में बी.के. रेनू बहन ने उपस्थित भाई–बहनों को शिव स्मृति में राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया तथा विभिन्न शारीरिक गतिविधियां भी कराईं। योग एवं ध्यान के संयुक्त अभ्यास से पूरा वातावरण योगमय हो गया और सभी ने स्फूर्ति, ताजगी तथा दिव्य शांति की अनुभूति की। इस अवसर पर बी.के. मोहन भाई, संजू भाई, हरिखयाल भाई, कन्हैया भाई, जगदीश भाई, कुसुम बहन, कृष्णा, मीरा, बंटी, निर्मल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ऑनलाइन काव्य गोष्ठी में गूंजे साहित्य और संवेदनाओं के स्वर

प्रयागराज। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, पूर्वी उत्तर प्रदेश इकाई द्वारा शनिवार सायं आयोजित ऑनलाइन काव्य गोष्ठी

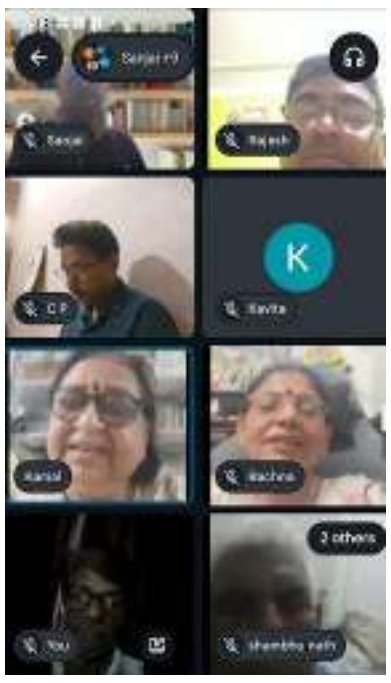

सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों एवं राज्यों से जुड़े कवियों और साहित्यकारों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इसके पूर्व रचना सक्सेना और राजेश सिंह राज ने सरस्वती वंदना करके कार्यक्रम का आगाज किया। गोष्ठी की मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश की वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती कमल चंद्रा रहीं। अपने उद्बोधन में उन्होंने साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुए रचनाकारों से मानवीय मूल्यों और सामाजिक सरोकारों को अपनी रचनाओं के केंद्र में रखने के लिए भूरिशः प्रशंसा की। कवि गोष्ठी में शहर समता के संपादक उमेश श्रीवास्तव, संजय सक्सेना, रचना सक्सेना, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, राजेश सिंह राज, शम्भूनाथ श्रीवास्तव, डाक्टर वीरेंद्र कुमार तिवारी, कविता उपाध्याय, जया मोहन श्रीवास्तव, मीरा सिन्हा, सीपी श्रीवास्तव, गिरीश कुमार श्रीवास्तव, डाक्टर इंदु प्रकाश मिश्र जमदग्निपुरी, कमल चंद्रा आदि ने काव्य पाठ किया। अध्यक्ष पंडित राकेश मालवीय श्मुस्कानश ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया और धन्यवाद ज्ञापन संरक्षक संजय सक्सेना ने किया। कार्यक्रम उत्कृष्ट कोटि का रहा, सबने एक से बढ़कर एक रचनाएँ सुनाई।

नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब सेलखेड़ा के नाम, रोमांचक मुकाबले में सौरई को 15 रनों से दी मात

मथुरा/बलदेव। गांव सेलखेड़ा में आयोजित रुस्तम–ए–हिंद फूली पहलवान स्मृति नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार रात्रि को सेलखेड़ा और सौरई टीम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सेलखेड़ा ने सौरई को 15 रनों से हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेलखेड़ा टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 81 रन बनाए और सौरई के

सामने 82 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी सौरई की टीम सेलखेड़ा के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 7. 3 ओवर में 66 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस प्रकार सेलखेड़ा ने 15 रनों से शानदार जीत दर्ज करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। फाइनल मुकाबले से पूर्व राष्ट्रगान का आयोजन किया गया, जिससे पूरा मैदान देशभक्ति के रंग में रंग गया। मैच के दौरान खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। फाइनल मुकाबला देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मैदान में उपस्थित रहे। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि बंसी भाई ने विजेता टीम सेलखेड़ा को ट्रॉफी के साथ 31 हजार रुपये की नगद धनराशि प्रदान की। वहीं उपविजेता सौरई टीम को ट्रॉफी एवं 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि बंशी भाई ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से अनुशासन, टीम भावना और आपसी भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। टूर्नामेंट में सुरेश मास्टर एवं देवेंद्र मास्टर ने अंपायर की जिम्मेदारी निभाई, जबकि नीरज शर्मा और प्रमोद मास्टर ने कमेंट्री कर मैच को रोचक बनाया। इस अवसर पर पूरन दरोगा, डॉ. जगदीश, देवेंद्र मास्टर, धांधू पहलवान, अतुल परिहार, नरेश परिहार, विपिन परिहार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इंडियनऑयल बोंगाईगाँव रिफाइनरी ने बोंगाईगाँव जिले को १०२.६२ लाख की सीएसआर परियोजनाएं सौंपीं

बोंगाईगाँव, असम, समावेशी सामुदायिक विकास और समाज कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए, इंडियनऑयल बोंगाईगाँव रिफाइनरी ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए बोंगाईगाँव जिले के विभिन्न लाभार्थी संगठनों और सरकारी विभागों को ध्102.62 लाख की छह कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ब्ै) परियोजनाएं औपचारिक रूप से सौंपीं।

इसके तहत स्वास्थ्य विभाग के लिए दो बोलेरो वाहन, एम. जी. मॉडल अस्पताल, सृजनग्राम के लिए एक एम्बुलेंस, जिला टीबी केंद्र के लिए हैंडहेल्ड एक्स–रे मशीन, जिला अस्पतालों के लिए क्लिनिकल ब्रेस्ट एग्जामिनेशन (ब्ठम्) उपकरण, फीडिंग रूम के साथ दो महिला शौचालय ब्लॉक, और जिले भर के आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए डबल–सिलेंडर रिफिल सुविधा के साथ 82 एलपीजी कनेक्शन शामिल हैं।

इस समारोह में माननीय सांसद बारपेटा श्री फणिभूषण चौधरी, माननीय विधायक बोंगाईगाँव श्रीमती दीप्तिमयी चौधरी, जिला विकास आयुक्त बोंगाईगाँव श्री आर के दास, श्री एन के बरुआ, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, बोंगाईगाँव रिफाइनरी और इंडियनऑयल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, माननीय सांसद (बारपेटा) ने सामुदायिक कल्याण के प्रति इंडियनऑयल के निरंतर प्रयासों की सराहना की और कहारू ष्इंडियनऑयल ने इस क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को

लगातार प्रदर्शित किया है। ये परियोजनाएं स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेंगी और बोंगाईगाँव जिले के लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाएंगी। इस तरह की पहल जनता तक आवश्यक सेवाएं पहुंचाने में सरकार के प्रयासों को पूरक बनाती हैं।ष माननीय विधायक (बोंगाईगाँव) ने रिफाइनरी की जन–केंद्रित सीएसआर पहलों की प्रशंसा की और टिप्पणी कीरूष्आज सौंपी गई परियोजनाएं सीधे तौर पर महत्वपूर्ण सामुदायिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, महिला कल्याण और बाल विकास के क्षेत्र में। स्वच्छता सुविधाओं का निर्माण और आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए एलपीजी कनेक्शन का प्रावधान जिले भर में महिलाओं और बच्चों के जीवन पर एक सकारात्मक प्रभाव डालेगा।ष जिला विकास आयुक्त (बोंगाईगाँव) ने जिला विकास में सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा–

ष्इन सीएसआर हस्तक्षेपों के माध्यम से इंडियनऑयल द्वारा दिया गया सहयोग विभिन्न सरकारी विभागों की सेवा वितरण क्षमताओं को बढ़ाएगा। जिला प्रशासन जिले की महत्वपूर्ण विकासात्मक आवश्यकताओं की पहचान करने और उन्हें पूरा करने में इंडियनऑयल की सक्रिय भूमिका की सराहना करता है। सभा को संबोधित करते हुए, श्री एन के बरुआ (कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, इंडियनऑयल बोंगाईगाँव रिफाइनरी) ने कहारू

ष्इंडियनऑयल में हमारा मानना है कि सतत विकास केवल व्यावसायिक संचालन तक सीमित नहीं है। अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से, हम समाज के लिए सार्थक और स्थायी मूल्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये परियोजनाएं स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने, महिला कल्याण को बढ़ावा देने और हमारे संचालन क्षेत्रों और उसके आसपास सामुदायिक विकास को समर्थन देने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती हैं।ष लाभार्थियों ने निरंतर सहयोग के लिए इंडियनऑयल के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और समुदाय के लाभ के लिए इन संपत्तियों के सर्वोत्तम उपयोग का आश्वासन दिया। इंडियनऑयल बोंगाईगाँव रिफाइनरी स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, स्वच्छता, कौशल विकास और सामुदायिक कल्याण में केंद्रित सीएसआर पहलों के माध्यम से असम में सतत विकास को बढ़ावा देने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सदैव प्रयासरत है।

कब्जा मुक्ति हेतु 28 जून को भयहरण नाथ धाम में होगी विशाल किसान पंचायत

सावन मास में भयहरणनाथ धाम में होगा शिव महापुराण कथा

प्रतापगढ़। पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम में कब्जा व मनमानापन से मुक्ति हेतु गत 15 मार्च से जारी सामाजिक सत्याग्रह अनवरत जारी है। विश्व योग दिवस पर संपन्न 15वें सामाजिक सत्याग्रह में भारतीय किसान यूनियन अम्बावता के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सहभागिता कर नैतिक समर्थन दिया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 28 जून को 16वें सामाजिक सत्याग्रह के अवसर पर धाम परिसर में क्षेत्रीय किसान पंचायत आयोजित होगी। पंचायत में धाम की संपूर्ण सार्वजनिक भूमि की कब्जा मुक्ति एवं बकुलाही नदी पुनरोद्धार के अवशेष सरकारी कार्यों को पूर्ण कराए जाने की रणनीति तय होगी।

भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर के नेतृत्व में आयोजित 15 वें सामाजिक सत्याग्रह में भारतीय किसान यूनियन अम्बावता के प्रदेश प्रवक्ता भानु प्रताप सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन व राजस्व विभाग यदि धाम की सार्वजनिक भूमि को खाली कराने में अहम भूमिका नहीं निभाते हैं तो जनपद स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। आवश्यकता पड़ी तो

जिला मुख्यालय पर असहयोग आंदोलन भी होगा। किसान केवल अपने खेत की नहीं, राष्ट्र, धर्म और देवस्थान की रक्षा हेतु सदैव अग्रणी रहा है।

सत्याग्रह के पश्चात अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में प्रबन्ध समिति की बैठक हुई। अधिक मास मेले की समीक्षा के साथ आगामी सावन मास मेले की प्रारंभिक रणनीति तय हुई। निर्णय लिया गया कि सावन के पवित्र महीने में 8 अगस्त से 16 अगस्त तक भयहरणनाथ धाम में प्रबन्ध संस्था द्वारा क्षेत्रीय समाज के सहयोग से भव्य ष्शिव महापुराण कथाष् का आयोजन किया जाएगा।

कथा आयोजन हेतु सर्वसम्मति से संयोजन मंडल का गठन हुआ। संयोजन मंडल में विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव, धाम अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र, व्यापार मंडल कटरा गुलाब सिंह अध्यक्ष व धाम उपाध्यक्ष संगठन डॉ. अमर बहादुर सिंह, प्रेम चंद्र अग्रहरि, उमाकांत पांडेय को शामिल किया गया। बैठक में यह भी तय हुआ कि सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक भक्तों व नागरिकों को सदस्य बनाकर धाम की गतिविधियों में सहभागी बनाया जाएगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से संरक्षक हीरा लाल, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, मेला व्यवस्था उप संयोजक बुद्धि प्रकाश, मंदिर व्यवस्था सचिव मुरली पांडेय, भारतीय किसान यूनियन के तहसील सदर के अध्यक्ष लाल जी पटेल, जिला कोषाध्यक्ष सतीश यादव, जिला अध्यक्ष महिला शाखा नीतू गौतम, राम सजीवन विश्वकर्मा, सी.वी. सिंह शिव शंकर मिश्र, प्रेम ओझा, कृष्ण कुमार पटेल, धाम के कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम आदि।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगमय हुआ आरेडिका

रायबरेली। 'स्वस्थ आयु के लिए योग'' थीम के साथ सप्ताहभर चले विविध कार्यक्रम, हजारों प्रतिभागियों ने अपनाया स्वस्थ जीवन का मंत्र आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 का आयोजन ''स्वस्थ आयु के लिए योग'' थीम के अंतर्गत अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं व्यापक जनसहभागिता के साथ किया गया। महाप्रबंधक रामन कृष्णन के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत सप्ताहभर विभिन्न जागरूकता एवं सहभागिता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा 21 जून को गोमती इंडोर स्टेडियम में मुख्य योग समारोह संपन्न हुआ। योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ सभी प्रतिभागियों द्वारा सामूहिक रूप से "वंदे मातरम्" के गायन के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित योगजनों ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का कोलकाता से प्रसारित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस संदेश एवं संबोधन देखा। योगाचार्य अमित त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में महाप्रबंधक रामन कृष्णन, प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का सामूहिक अभ्यास किया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आरेडिका के विभिन्न परिसरों में भी योग शिविर आयोजित किए गए। अधिकारी क्लब में महिला कल्याण संगठन की सदस्याओं ने सामूहिक योगाभ्यास किया। सुपरवाइजर क्लब में योगाचार्य अमित त्रिपाठी द्वारा वरिष्ठ कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को योग कराया गया। कर्मचारी क्लब में आयोजित योग शिविर में बड़ी संख्या में कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने सहभागिता करते हुए योग को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। योग सप्ताह के दौरान प्रतिभागियों को योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने हेतु अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। 16 जून को सेंट्रल पार्क में सामूहिक योग सत्र आयोजित किया गया। 17 जून को योग विषयक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं योग साइकिल रैली का आयोजन हुआ। 18 जून को स्लोगन लेखन प्रतियोगिता तथा 19 जून को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, योग टॉक, निबंध लेखन प्रतियोगिता, मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन विषयक जागरूकता शिविर, योग शिविर एवं जागरूकता रैली आयोजित की गई। स्काउट एवं गाइड के बच्चों द्वारा निकाली गई योग जागरूकता रैली ने कॉलोनीवासियों को योग के महत्व एवं लाभों से अवगत कराया। 20 जून को योग के लाभ विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छोटे छोटे बच्चों ने दैनिक जीवन में योग को अपनाने का प्रभावी संदेश प्रस्तुत किया। योग सप्ताह के दौरान बैनर, पोस्टर एवं सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक जन–जागरूकता अभियान भी चलाया गया। योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम का संचालन आदित्य प्रकाश ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ हुआ। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक एवं समग्र पद्धति है। इसी भावना के साथ आरेडिका परिवार ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 को उत्साह एवं सामूहिक सहभागिता के साथ मनाते हुए स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

गेंदा की कलियाँ

अंग्रेजी कहती जिसे, फ्लावर मैरीगोल्ड।
संस्कृत में स्थूलपुष्प, हिंदी गेंदा ओल्ड।
हिन्दी गेंदा ओल्ड, दिव्य आभा का मालिक।
हरि–सा कर व्यवहार, अर्थ समझाता ख़ालिक।
सुन लो कहें प्रदीप, न है भाषा– परहेजी।
रहते सदा प्रसन्न, बताती है अंग्रेजी।।

आभामंडल शुद्धकर, औषधि का धर रूप।
गेंदा की कलियाँ खिलें,जैसे खिलती धूप।
जैसे खिलती धूप,सदा लाती खुशहाली।
ऊर्जा से भरपूर, भुजाएँ हैं बलशाली।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी का करके मंगल।
रहते हरि–नज़दीक, बताता आभामंडल।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कोर प्रांगण में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज के प्रांगण में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग" थीम के अन्तर्गत दिनांक 21.06.2026 को भव्य आयोजन किया गया। योग के इस समागम में श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/दक्षिण मध्य रेलवे (पूर्व महाप्रबंधक/कोर) एवं श्रीमती वन्दना श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्षा रीवो की गरिमामयी उपस्थिती में श्री के.के. श्रीवास्तव, उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी ने कोर कार्यालय के मुख्यालय प्रांगण में अधिकारियों व कर्मचारियों

को योगाभ्यास कराया। इस अवसर पर श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने संबोधन भाषण में कहा कि यह दिन केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमें योग की भारतीय परंपरा को अपनाने और जीवन को संतुलित, स्वस्थ व सकारात्मक बनाने की प्रेरणा देता है। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा का समन्वय है। यह हमें तनाव से मुक्ति, आत्म–नियंत्रण और आंतरिक शांति प्रदान करता है। आज के भागदौड़ भरे जीवन में योग एक अमूल्य साधन है जो हमें शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से स्थिर बनाए रखता है। योग को हम सभी को नित्य प्रतिदिन जीवन में अपनाना चाहिए। उक्त कार्यक्रम में मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री नरेंद्र चौधरी एवं जनसम्पर्क अधिकारी श्री विमल कुमार तथा केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपस्थित होकर योगाभ्यास कर कार्यक्रम को सफल बनाया। (विमल कुमार)

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर महिला पतंजलि योग समिति प्रयागराज द्वारा मनाया गया

प्रयागराज संवाददाता। 12अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर महिला पतंजलि योग समिति प्रयागराज द्वारा सात दिवसीय योग शिविर जो शहर के अलग–अलग पार्कों में संचालित किए गये थे का समापन समारोह चंद्रशेखर आजाद घाट रसूलाबाद प्रयागराज में योग दिवस के दिन आयोजित किया, जिसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक इंजी,हर्षवर्धन बाजपेई एवं विशिष्ट अतिथि जीवन ज्योति हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉक्टर वंदना बंसल तथा महिला पतंजलि का अनुशांगिक संगठन भारतीय शिक्षा बोर्ड की अध्यक्षा शशि कुशवाहा, भी उपस्थिति रही।महिला पतंजलि योग समिति की राज्य प्रभारी सुनीता दुबे के मार्गदर्शन में जिला प्रभारी शुभम सिंह एवं नीतू सिंह के कुशल निर्देशन में सदर तहसील

प्रभारी सुनीता तिवारी देखरेख में सुशीला दुबे,सुमन त्रिपाठी,अरूणिमा, राधा कनौजिया,सावी रावत,नूतन,किरन शुक्ला, रंजना प्रतिभा,रैनी सिंह, शशी यादव,रागिनी,सीमा प्रकास, रश्मी, स्वेता, संध्या मिश्रा, सोनिया,प्रसून, अर्चना के विषेश सहयोग से तथा अन्य सभी पदाधिकारियों एवं योग शिक्षिका बहनों के सहयोग से योग दिवस का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। सुनीता दुबे ने बताया कि महिला पतंजलि योग समिति प्रयागराज द्वारा 100 से ज्यादा निशुल्क योग कक्षाओं का संचालन शहर के अलग–अलग पार्कों में किया जा रहा है।जिसके लिए उन्होंने जिला प्रभारी सभी तहसील प्रभारियों एवं कक्षा संचालित कर रही सभी योगिनी बहनों को धन्यवाद ज्ञापित किया। रैनी सिंह ने भजन गायन करके उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का सचालन शुभम सिंह ने किया तथा योग कक्षाओं की संख्याओं को बढ़ाने के टिप्स भी साझा किए उपरोक्त जानकारी महिला पतंजलि योग समिति प्रयागराज सदर तहसील प्रभारी सुनीता तिवारी जी ने दी।

प्रयागराज एयरपोर्ट पर यात्री सुविधा दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन

प्रयागराजसयात्री सुविधा दिवस के अवसर पर प्रयागराज एयरपोर्ट पर दिल्ली से आने वाले विमान यात्रियों का पारंपरिक अंदाज में तिलक लगाकर स्वागत किया गया। यात्रियों को पानी की बोतल और झालमुड़ी भी वितरित की गई, जिससे वे खासे उत्साहित नजर आए। प्रयागराज एयरपोर्ट पर यात्रियों का तिलक किया गया, जिसमें करीब 85 यात्रियों और कर्मचारियों ने स्वास्थ्य जांच कराई । इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने पौधारोपण किया, साथ ही छात्र–छात्राओं ने डॉ.आकांक्षा पाल के निर्देशन में से नो टू प्लास्टिक विषय पर नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।कलाकारों के नाम इस प्रकार है सत्येन्द्र राव ,सौरभ सिंह,खुशी यादव, सुविनय कुमार,प्रियांशी वर्मा,ऋतुजा कुशवाहा ,श्रेयांशी निषाद,आयुषी गौतम , प्रकृति गौतम। इस प्रकार यात्री सुविधा दिवस पर नुक्कड़ नाटक विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा।

सम्पादकीय.....

ईरान को अमरीका पर एक रणनीतिक बढ़त

क्या अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच 17वीं सदी के फ्रांसीसी महल वर्साय में 17 जून को हस्ताक्षरित अमरीका–ईरान समझौता स्थायी शांति लाएगा? या फिर यह एक ऐसी शांति साबित होगा, जो दोनों देशों के बीच अगले युद्ध की तैयारी के लिए एक छोटी अवधि बनकर रह जाएगी? सबसे पहले, यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि अमरीका और इसराईल ने मिलकर काम करते हुए भी न तो ईरान को हराया है और न ही वह सत्ता परिवर्तन हासिल कर पाए हैं, जिसके लिए वे निकले थे, हालांकि ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को एक इसराईली हवाई हमले में मारे गए थे। नया शक्ति संतुलन रू ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमरीकी चिंताएं बनी हुई हैं लेकिन इसे समाप्त करने के लिए बातचीत की अवधि को 60 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। तेहरान को, हालांकि, बैलिस्टिक मिसाइलें रखने की 'अनुमति' दी जाएगी क्योंकि ट्रम्प का मानना है कि यदि सऊदी अरब और कतर सहित अन्य देशों के पास ये मिसाइलें हैं, तो पूरी निष्पक्षता के साथ ईरान के पास भी होनी चाहिएं। कुछ हद तक उल्लेखनीय रूप से, अमरीका ईरान को 'पुनर्घ्निर्माण' के लिए 300 अरब डॉलर की सहायता प्रदान करेगा और वाशिंगटन ईरान पर से 'सभी प्रकार के प्रतिबंधों' को समाप्त कर देगा। हॉर्मुज पर से नाकेबंदी हटाने और जलडमरूमध्य के माध्यम से मुक्त आवागमन को बहाल करने के बदले में तेहरान को अब आध्यक राहत मिलेगी। हॉर्मुज में नौवहन को बंद करने की ईरान की क्षमता, उसकी बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को बनाए रखने और अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में उसकी खुली वापसी के साथ, 4 महीने तक भारी बमबारी झेलने के बावजूद उसे पश्चिम एशिया के सबसे शक्तिशाली देशों में से एक के रूप में स्थापित करेगी। महीनों की तबाही और वैश्विक आर्थिक व्यवधान के बाद आया यह परिणाम, ट्रम्प के दोनों राष्ट्रपति कार्यकालों की सबसे बड़ी विदेश नीति विफलता को दर्शाता है, जिसके परिणाम पश्चिम एशिया में अमरीका की रणनीतिक चुनौतियों का सामना करना पहले से कहीं अधिक कठिन बना देंगे। पश्चिम एशियाई देश और अन्य देश भी इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि अमरीका ईरान जैसे कमजोर देश के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल करने में विफल रहा। वाशिंगटन ने खुद को अविश्वसनीय, अप्रत्याशित और सनकी भी दिखाया। इससे स्थिरता बनाए रखने की वाशिंगटन की क्षमता पर क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वास को ठेस पहुंचेगी। अमरीका की साख कम हुई है रू इसराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर ट्रम्प ने युद्ध समाप्त करने और लेबनान पर हमले रोकने का दबाव डाला था। क्या इसकी कीमत उन्हें इस साल के अंत में होने वाले चुनावों में हार के रूप में चुकानी पड़ेगी, यह एक खुला सवाल है। इसराईल ने इस संघर्ष में बड़े पैमाने पर संसाधन झोंक दिए। उसके नागरिकों को ईरान से बार–बार बमों की धमकियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद, नेतन्याहू ईरानी सत्ता परिवर्तन का अपना अंतिम लक्ष्य हासिल नहीं कर सके। इस समझौते का अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतों पर तत्काल प्रभाव पड़ा है लेकिन सवाल यह है कि क्या वे कम से कम उस स्तर तक गिरेंगी, जो युद्ध शुरू होने से पहले था और वहां टिकी रहेंगी? गुरुवार को तेल की कीमतें युद्ध शुरू होने के बाद के सबसे निचले स्तर पर आ गईं। इस बीच, ईरानी तेल की बिक्री पर से प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। एक लेन–देन वाली कूटनीति पर चलने वाला भारत, जिसने ईरान पर हमला करने के दौरान अमरीका और इसराईल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून के उल्लंघन की कभी निंदा नहीं की, जब तक मौका अच्छा है, उतना ईरानी तेल खरीदेगा जितना वह खरीद सकता है। एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय देश ने ईरानी क्रांतिकारी शासन को वैधता प्रदान कर दी है, जबकि अमरीका के साथ दोनों के जुड़ाव के बावजूद पश्चिम एशियाई महाशक्ति के रूप में उभरने के इसराईल के सपने को चकनाचूर कर दिया है। हालांकि ईरान का अधिकांश नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचा बमबारी से नष्ट हो गया था लेकिन उसने खाड़ी देशों और वैश्विक अर्थव्यवस्था की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जुड़ी अर्थव्यवस्थाओं को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करके उन्हें भारी दर्द देने की अपनी क्षमता दिखाई।

मानसून की बारिश को भूल जाइए, अब हमें थर्मामीटर की जरूरत

प्रांजुल भंडारी

पिछले एक दशक में, हमने अर्थव्यवस्था पर मौसम के प्रभाव की अपनी समझ को लगातार

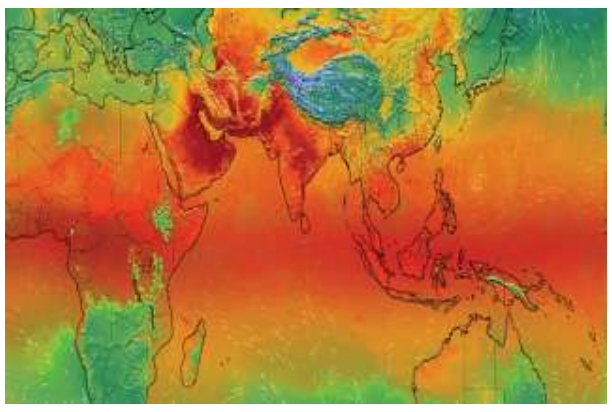

परिष्कृत किया है। हमारे नवीनतम निष्कर्ष बताते हैं कि बढ़ती मुद्रास्फीति और धीमी आर्थिक वृद्धि के लिए तैयार होने का समय आ गया है। कुछ साल पहले, हमने बताया था कि भारत के खाद्य उत्पादन और मुद्रास्फीति के लिए वर्षा की तुलना में जलाशयों का जलस्तर अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इनमें भूमिगत जल भी समाहित होता है। हाल ही में, हमने अपने विश्लेषण को वर्षा और जलाशयों से आगे बढ़ाकर तापमान पर केंद्रित किया है। वैश्विक तापवृद्धि के साथ, औसत तापमान ने पिछले स्तरों को पार कर लिया है। जैसा कि हम आगे समझाएंगे, अब इनका प्रभाव व्यापक खाद्य भंडार और मुद्रास्फीति पर वर्षा और जलाशयों की तुलना में कहीं अधिक है। वास्तव में, हमने पाया है कि सतह के तापमान पर नजर रखना ही खाद्य मुद्रास्फीति की दिशा का अच्छा अनुमान लगाने के लिए पर्याप्त है। भारत के अधिकांश हिस्सों में अब हमें वर्षा पर नजर रखने की भी आवश्यकता नहीं है। परिणामस्वरूप, हम सतह के तापमान के महत्व पर अपने शोध को आगे बढ़ाते हुए यह समझने का प्रयास कर रहे हैं कि अल नीनो वर्षों में विशेष रूप से क्या होता है। अमरीका में राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन के वैज्ञानिकों ने न केवल अल नीनो के बनने की घोषणा की है, बल्कि उन्होंने इसके अल नीनो बनने की 63 प्रतिशत संभावना भी जताई है। परंपरागत रूप से, अल नीनो को उच्च तापमान, कम वर्षा, खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि और धीमी वृद्धि से जोड़ा जाता है। हम पाते हैं कि अल नीनो की प्रकृति और प्रभाव भी बदल रहे हैं। भारत में 1950 के दशक से औसत सतही तापमान के आंकड़े उपलब्ध हैं, जिनसे पता चलता है कि भारत में लू पहले शुरू हो रही है, अधिक समय तक चल रही है और अधिक तीव्र होती जा रही है। मार्च 2022 की लू ने गन्ने की फसल की पैदावार में 30 प्रतिशत की कमी कर दी, जबकि सब्जियों और तिलहन के उत्पादन को भी प्रभावित किया। मार्च 2024 में, कुछ क्षेत्रों में तापमान 50.5 डिग्री सैल्सियस तक पहुंच गया, जिससे गर्मी से होने वाली परेशानी और सब्जियों की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। अल नीनो वाले वर्ष में ये सभी बातें और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। और सुर्खियों में दिखने वाले आंकड़ों से परे, भारत में अल नीनो के कुछ कम ज्ञात परिणाम भी हैं। पहला, उच्च तापमान की संभावना कम बारिश की संभावना से कहीं अधिक है। उदाहरण के लिए, 2019–20 और 2024–25 के अल नीनो वर्षों में, इस घटना के बावजूद भारी बारिश हुई। लेकिन इन दोनों वर्षों में तापमान सामान्य स्तर से काफी ऊपर चला गया। दूसरा, अल नीनो वर्षों के दौरान तापमान में होने वाली वृद्धि बढ़ती जा रही है। किन फसलों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा–सब्जियां और फल जैसी जल्दी खराब होने वाली फसलें परंपरागत रूप से अन्य फसलों की तुलना में लू के प्रति अधिक संवेदनशील रही हैं, और यह संवेदनशीलता बढ़ती जा रही है। अनाज, दालें, तिलहन और चीनी जैसी अपेक्षाकृत टिकाऊ फसलें भी पीछे नहीं हैं। इससे हम एक और महत्वपूर्ण प्रश्न पर आते हैं। यदि समय के साथ तापमान के प्रति खाद्य उत्पादन और मुद्रास्फीति की संवेदनशीलता बढ़ी है, तो वर्षा और जलाशयों की क्या भूमिका है? इस प्रश्न का सावधानी पूर्वक उत्तर देने के लिए, हम अपने सांख्यिकीय मॉडल का उपयोग करते हैं। हम पाते हैं कि खाद्य मुद्रास्फीति की व्याख्या और पूर्वानुमान करने में वर्षा की तुलना में तापमान कहीं अधिक प्रभावी कारक है। वास्तव में, तापमान को शामिल करने के बाद, वर्षा और जलाशय स्तरों का विश्लेषण करने का कोई महत्व नहीं रह जाता। इन सब का 2026–27 पर क्या असर पड़ेगा– यह एक ऐसा दौर होगा जिसमें कई झटके एक साथ लगेंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से पैदा हुई ऊर्जा और औद्योगिक ईंधन की कमी से हम अभी पूरी तरह उबर भी नहीं पाए होंगे कि अल नीनो का प्रकोप शुरू हो जाएगा। इससे सभी आर्थिक कारकों, विशेष रूप से मुद्रास्फीति और विकास पर असर पडने की संभावना है। लू से किसानों पर असर पड़ेगा और उच्च मुद्रास्फीति से ग्रामीण और शहरी दोनों अनौपचारिक श्रमिकों पर असर पडने की संभावना है, जो आमतौर पर कीमतों के प्रति संवेदनशील होते हैं और मिलकर भारत के उपभोग का दो–तिहाई हिस्सा बनाते हैं। पिछले अनुभवों के आधार पर, अल नीनो के कारण विकास दर में 0.3 प्रतिशत अंकों की गिरावट आ सकती है। सरकार द्वारा ऋण गारंटी योजनाओं, ग्रामीण बेरोजगारी भत्तों और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय के माध्यम से विकास को समर्थन देने के प्रयासों के चलते, राजकोषीय मंदी देखने को मिल सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक उच्च मुद्रास्फीति और धीमी वृद्धि के बीच दुविधा में पड़ सकता है। चूंकि मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना उसका मुख्य दायित्व है, इसलिए उसे ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं, लेकिन संभवतरू मामूली वृद्धि ही करनी होगी। इसका असर अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से पर महसूस होगा।

शेखीबाजी विज्ञापन देने वालों के लिए ठीक, सफल व्यक्तियों के लिए नहीं

पी. चिदम्बरम

9 जून 2026 के आसपास या उसके दौरान, कई अंग्रेजी और तमिल समाचार पत्रों में–और संभवतः सभी भारतीय

समाचार पत्रों में–एक पूरे पृष्ठ का विज्ञापन दिखाई दिया, जिसमें पिछले 12 वर्षों के दौरान नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियों को सूचीबद्ध किया गया था। बारह वर्ष एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मोदी सरकार पहली बार 2014 में चुनी गई, 2019 में फिर से चुनी गई, और 2024 में भी फिर से चुनी गई लेकिन काफी कम सीटों के साथ। भाजपा ने श्री मोदी के कार्यकाल को किसी भी निर्वाचित प्रधानमंत्री के सबसे लंबे कार्यकाल के रूप में सराहा। काफी अनावश्यक रूप से, इसने उनके कार्यकाल की तुलना जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल से की। बिना किसी तुलना के भी, 12 साल का कार्यकाल वास्तव में ईर्ष्या के योग्य है। हर कोई जानता है कि नेहरू स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री थे, उन्होंने 1952, 1957 और 1962 में चुनाव जीते थे, और वह 17 वर्षों तक प्रधानमंत्री रहे थे। हर सरकार को दावे करने का अधिकार है और थोड़ी बहुत शेखीबाजी सहन कर ली जाती है। लेकिन संबंधित विज्ञापन शेखीबाजी से भी आगे निकल गए। लोगों ने दो साल पहले ही श्री मोदी के अतिशयोक्तिपूर्ण दावों की हकीकत देख ली थी, और भाजपा को लोकसभा में 240 सीटों तक सीमित कर दिया, जिससे पार्टी को सदन में साधारण बहुमत नहीं मिल सका। दो साल बाद, फिर से वही दावे किए जा रहे हैं। बिना किसी द्वेष के, मैं इन दावों का एक नमूना लेना चाहता हूं और आपको दिखाना चाहता हूं कि वे क्या हैं,सरकार ने 3 करोड़ लखपति दीदी बनाई हैं। सरकार की परिभाषा के अनुसार, लखपति दीदी स्वयं सहायता समूह (एस.एच.जी.) की महिला सदस्य हैं। अगस्त 2025 में, यह रिपोर्ट किया गया था कि 1,48,00,000 एस.एच.जी.सदस्य लखपति दीदी बन चुकी थीं। मार्च 2026 में, एक संसदीय प्रश्न के उत्तर में कहा गया कि 3,07,33,820 सदस्यों ने खुद यह घोषणा की थी कि वे लखपति दीदी थीं। आंदोलन, जो मोदी सरकार से पहले का है,उसने महिलाओं को सशक्त बनाया है और उन्हें अधिक कमाने के लिए कौशल प्रदान किया है, लेकिन यह दावा करना कि मोदी सरकार ने 3 करोड़ लखपति दीदी बनाई हैं, एक बहुत बड़ा दावा है। मुझे संदेह है कि किसी स्वतंत्र ऑडिट ने इस दावे की पुष्टि की है। भारत में काम करने की उम्र की महिलाओं की आबादी (15 वर्ष और उससे अधिक) 53 करोड़ है और महिला श्रम बल भागीदारी (41.7 प्रतिशत की स्तर पर) लगभग 22 करोड़ है – यह उन महिलाओं की संख्या है जो काम कर रही हैं या सक्रिय रूप से काम की तलाश में हैं। यदि 3 करोड़ लखपति दीदी के दावे को जस का तस स्वीकार कर लिया जाए, तो श्रम बल में लगभग सात में से एक महिला (जो काम कर रही है या सक्रिय रूप से काम की तलाश में है) लखपति है! यह दावा कि सरकार ने एस.एच.जी. सदस्यों में से 3 करोड़ लखपति दीदी बनाई हैं, खोखला है। सरकार ने चालू हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़ाकर 164 कर दी है। बुनियादी ढांचे का निर्माण हर साल हो रहा है, और इसमें वे हवाई अड्डे शामिल हैं जो भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण के स्वामित्व वाले हैं, पी.पी.पी. मॉडल पर आधारित हैं और निजी हवाई अड्डे हैं। 164 की संख्या सही है, लेकिन मुख्य शब्द 'चालू' (ऑपरेशनल) है। आम नागरिक यही मानेगा कि एक चालू हवाई अड्डे का मतलब है जहां नियमित रूप से निर्धारित वाणिज्यिक (कमर्शियल) यात्री उड़ानें चलती हैं। इस दृष्टिकोण से, सरकार का दावा सच नहीं है। उड़ान योजना के तहत, कई छोटे हवाई अड्डों को चालू किया गया और यात्री सेवाएं शुरू की गईं। एयरलाइंस को 774 रूटों की पेशकश की गई थी, लेकिन कैग के अनुसार, 403 रूटों पर कोई वाणिज्यिक सेवाएं शुरू ही नहीं हुईं। कैग ने यह निष्कर्ष भी निकाला कि तीन साल की सब्सिडी अवधि के दौरान केवल 112 रूटों का संचालन किया गया था। उद्योग के अनुमानों के अनुसार चालू हवाई अड्डों की संख्या 120 है। जन औषधि स्टोर कार्यक्रम 2008 में शुरू किया गया था लेकिन 2013 में विफल रहा। यह घोषणा करने के बाद कि 'सरकार का काम व्यवसाय करना नहीं है' मोदी सरकार ने गुणवत्तापूर्ण दवाएं सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए 2015 में फ्रैंचाइजी मॉडल पर इस कार्यक्रम को नए सिरे से तैयार किया और फिर से शुरू किया। सरकार के कार्यक्रम मध्यम रूप से सफल हैं। सच्चाई को पूरी तरह सामने रखना विश्वसनीयता को बढ़ाएगा। शेखीबाजी (पफरी) से ऐसा नहीं होगा।

स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग, जिंदगी में जीवंतता का समावेश

सी.पी. राधाकृष्णन

सदियों से, भारत की एक अनूठी पहचान रही है। उसकी यह पहचान 'वसुधैव कुटुंबकम'–यानी पूरी दुनिया को एक इकाई और सभी जीव–जंतुओं को एक मानने– की महान सोच में निहित रही

है। भारत के इस आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित, योग एक ऐसी प्राचीन विद्या है जो शरीर, मन और आत्मा के बीच एक संतुलन स्थापित करती है। योग के मूल तत्वों में आसन (शारीरिक मुद्राएं), प्राणायाम (सांस लेने की तकनीकें) और ध्यान शामिल हैं। इन तत्वों का मेल शारीरिक स्वस्थता, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन को बेहतर बनाता है।

दिनांक 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने दुनिया को रहने योग्य और स्थिर बनाने के उद्देश्य से लोगों की जीवनशैली में बदलाव लाने की जरूरत पर बल दिया था। उन्होंने कहा कि योग मन एवं शरीर, सोच एवं कर्म, संयम एवं संतुष्टि के बीच एकता, इंसान एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य और सेहत एवं कल्याण से संबंधित एक समग्र दृष्टिकोण का संगम है। माननीय प्रधानमंत्री के आग्रह पर, 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' घोषित करने से संबंधित 174 से अधिक देशों के सम्मिलित प्रस्ताव को मंजूरी दी। वर्ष 2015 से, दुनिया भर में लाखों लोग सार्वजनिक जगहों पर इकट्ठा होकर एक साथ योग करते हैं और इस प्रकार हमारे प्राचीन ज्ञान को एक वैश्विक आंदोलन का रूप देते हैं। इस वर्ष 21 जून को प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी जहां कोलकाता में योग दिवस की अगुवाई करेंगे, वहीं मैं इस समारोह में भाग लेने के लिए लद्दाख में रहूंगा। भारत की एक शाश्वत विरासत रू माना जाता है कि शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक कल्याण से संबंधित 'योग' के कालजयी अभ्यास की शुरुआत हमारी सभ्यता के उदय के साथ ही हुई थी। योग की परंपरा में भगवान शिव को जहां सबसे पहला योगी या 'आदि योगी' और सबसे पहला गुरु या 'आदि गुरु' माना जाता है, वहीं योग के सिद्धांतों को 'योग सूत्र'में व्यवस्थित रूप से संकलित के कारण महर्षि पतंजलि को 'शास्त्रीय योग का जनक' माना जाता है। हर वर्ष हमारे देश में अंतराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह और एक सार्थक विषय के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष के विषय 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' का खास महत्व है। स्वास्थ्य सेवा और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में हुई उल्लेखनीय प्रगति और मृत्यु दर में आई कमी के कारण दुनिया भर में लोगों की औसत आयु बढ़ी है। भारत भी आबादी में हो रहे इस बड़े बदलाव का साक्षी बन रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यू.एन.एफ.पी.ए.) की 'इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023' के अनुसार, 2050 तक भारत में हर पांच में से लगभग एक व्यक्ति की उम्र 60 वर्ष से अधिक होगी। आज के दौर में आयु बढने से जुड़ी हकीकतों ने इस तथ्य को उजागर किया है कि बुजुर्ग लोग कैसे विभिन्न प्रकार की मुश्किलों एवं कमजोरियों के जटिल जाल से जूझ रहे हैं। इस संदर्भ में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी दुनिया भर में बुजुर्गों के बीच गैर–संचारी रोगों, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और सामाजिक अलगाव के बढ़ते बोझ को बार–बार रेखांकित किया है। मेरा भी यह मानना है कि आज वक्त की यह मांग है कि लोगों को कम आयु से ही योग से जोड़ा जाए। योग का अभ्यास जितनी जल्दी शुरू किया जाए, जीवन भर उसके उतने ही अधिक लाभ मिलते हैं। योग–आज के दौर में बुढ़ापे से जुड़ी समस्याओं का समाधान रू नैशनल इंस्टीच्यूट्स ऑफ हैल्थ (एन.आई.एच) एवं हार्वर्ड मैडिकल स्कूल जैसे बड़े संस्थानों और 'लैंसेट' जैसी कई प्रतिष्ठित शोध–पत्रिकाओं ने अपने शोधों में इस तथ्य को दर्शाया है कि नियमित रूप से योग करने से बुजुर्गों में संतुलन, लचीलापन और चलने–फिरने की क्षमता सुरक्षित रूप से बेहतर होती है। इससे उनके गिरने का डर और जोखिम काफी कम हो जाता है। शोधों से यह भी पता चला है कि योग से हड्डियों की मजबूती (बोन डैंसिटी) बढ़ती है, गठिया का दर्द कम होता है, सांस लेने की क्षमता बेहतर होती है, रक्तचाप (ब्लड प्रैशर) स्थिर रहता है और मानसिक सेहत अच्छी रहती है।

मेरे अपने अनुभव के अनुसार, अहम बात यह है कि 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' में बहुत अधिक शारीरिक मेहनत की जरूरत नहीं होती। पारंपरिक योग क्रियाओं को काफी सोच–समझकर ऐसे सरल एवं सुलभ तरीकों में ढाला गया है जो बुजुर्गों के लिए उपयुक्त हैं। इनमें यौगिक सूक्ष्म व्यायाम (जोड़ों की हल्की हरकतें), कुर्सी की मदद से किए जाने वाले आसन, सांस लेने की निर्देशित तकनीकें और ध्यान जैसी क्रियाएं शामिल हैं। ये सब बढ़ती आयु के शरीर पर बिना कोई दबाव डाले न्यूरो एंडोक्राइन प्रणाली और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं।

साथ ही, योग उन देखभाल करने वालों और परिवार के सदस्यों के लिए भी हौसले एवं सहनशक्ति का स्रोत है, जो बुजुर्गों की देखभाल की भावनात्मक तथा शारीरिक जिम्मेदारियां उठाते हैं। इन व्यापक लाभों को देखते हुए, आयुष मंत्रालय ने 'गैर–संचारी रोगों और लक्षित समूहों के लिए योग की 10 विधाओं' से जुड़ी एक अहम पहल शुरू की है। इसमें बुजुर्गों की सेहत के लिए खास तौर पर साक्ष्यों पर आधारित योग मॉड्यूल भी शामिल है। इसके अलावा, 100 दिनों का मुफ्त निर्देशित ऑनलाइन योग कार्यक्रम प्रदान करने वाले 'योग 365' पहल नाम के एक देशव्यापी अभियान को कुछ इस तरह से तैयार किया गया है ताकि योग सभी आयु के नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी का एक सहज एवं स्थायी साथी बन सके। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर मैं हर नागरिक, शिक्षण संस्थान, नागरिक समाज संगठन, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े पेशेवर और समुदायों के नेता से आग्रह करता हूं कि वे योग को केवल कभी–कभार की जाने वाली कसरत के रूप में नहीं, बल्कि जीवन भर चलने वाली सांस्कृतिक एवं सेहत से जुड़ी एक आदत के तौर पर अपनाएं। किसी समाज की असल पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों का कितना ख्याल रखता है। इसलिए, आइए हम एक ऐसा ईकोसिस्टम बनाने की कोशिश करें जहां हमारे बुजुर्ग डर, निर्भरता या अकेलेपन के बीच नहीं, बल्कि सम्मान, जोश, सार्थक उद्देश्य और शांति के साथ जीवन जी सकें।

न बैंड-बाजा, न बारात ! तीसरी बार दूल्हा बनने को तैयार आमिर खान, गौरी स्प्रैट संग सादगी से घर पर ही करेंगे शादी

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आमिर खान ने अपनी शादी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वो अपनी शादी को बहुत ही निजी रखना चाहते हैं और वो बहुत ज्यादा ग्रैंड शादी न करते हुए दोनों बस रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे।

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता आमिर खान इन दिनों अपनी लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में चल रहे हैं। पिछले वर्ष अपने जन्मदिन के मौके पर उन्होंने गौरी स्प्रैट संग रिश्ते को दुनिया के सामने उजागर किया था। इसके बाद हर इवेंट्स पर दोनों के साथ में देखा गया। हाल ही में अभिनेता आमिर खान ने अपनी तीसरी शादी का एलान किया था। इस खबर को सुनते ही उनके फैंस इस बात को लेकर काफी उत्तेजित हैं कि वो अपनी शादी किस तरह से करेंगे। अब हाल ही में आमिर खान ने खुद बताया कि वो बहुत ही तरीके से गौरी संग विवाह करना चाहते हैं। उनके अनुसार उनकी शादी में बहुत ही खास और कम लोगों को बुलाया जाएगा। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आमिर खान ने अपनी शादी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वो अपनी शादी को बहुत ही निजी रखना चाहते हैं और वो बहुत ज्यादा ग्रैंड शादी न करते हुए दोनों बस रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। अपनी तीसरी शादी को लेकर आमिर खान ने हाल ही में खुलकर बात की। अभिनेता ने बताया कि वह और गौरी स्प्रैट बेहद सादगी के साथ विवाह बंधन में बंधना चाहते हैं। आमिर के मुताबिक, उनकी शादी रजिस्टर्ड मैरिज होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के सदस्य और कुछ खास करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि दोनों इस खास मौके को निजी और सरल रखना चाहते हैं। यही वजह है कि शादी में किसी तरह का भव्य आयोजन, बैंड–बाजा या बड़ा जश्न देखने को नहीं मिलेगा। जानकारी के अनुसार, विवाह समारोह घर पर ही आयोजित किया जाएगा और फिलहाल किसी बड़े रिसेप्शन या ग्रैंड सेलिब्रेशन की योजना नहीं बनाई गई है। खबरों के मुताबिक आमिर खान और गौरी 5 जुलाई को शादी करेंगे। इसी के साथ आपको बता दें कि आमिर खान की होने वाली बीवी आमिर खान से कम से कम 14 साल छोटी हैं। वहीं दूसरी तरफ यदि आमिर खान की बात करें तो उनकी दो शादी हो चुकी हैं और काफी समय तक साथ रहने के बाद दोनों ने तलाक ले लिया।

रामचरण ने पहली बार दुनिया को दिखाया अपनी बेटी का चेहरा, क्लिन कारा की क्यूटनेस ने जीता सबका दिल

साउथ इंडस्ट्री के जाने–माने एक्टर राम चरण ने हाल ही में अपने फैंस को सोशल मीडिया के जरिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी दी है। आपको बता दें कि उन्होंने पहली बार दुनिया को अपनी बड़ी बेटी का चेहरा दिखाया है। बहुत लम्बे समय बाद रामचरण और उनकी पत्नी उपासना कामिनेनी कोनिडेला ने पहली बार अपनी बेटी की झलक को दिखाया, जिसे देखने के बाद उनके फैंस काफी ज्यादा खुश थे। राम चरण ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह अपनी लाडली बेटी के साथ दिखाई दे रहे हैं। अब तक दोनों ने क्लिन कारा को मीडिया और सोशल मीडिया की नजरों से दूर रखा था लेकिन जन्मदिन के खास अवसर पर उन्होंने फैंस को यह खूबसूरत सरप्राइज दिया। इसी के साथ अभिनेता ने बहुत प्यारा कैप्शन भी लिखा। कैप्शन में उन्होंने अपनी बेटी को जन्मदिन की बधाई दी। जैसे ही पोस्ट सबसे सामने आई आम जनता के साथ–साथ बड़े–बड़े सितारों ने भी बधाइयों के पुल बांध दिए। इस तस्वीर में क्लिन कारा ने ब्लू कलर की फ्लोरल ड्रेस पहनी हुई है। मुस्कुराते हुए उन्होंने अपनी मम्मी–पापा के साथ बहुत ही क्यूट पोज दिया हुआ है। राम चरण के यदि करियर की बात की जाए तो हाल ही में उनकी फिल्म पेद्दी बड़े पर्दे पर रिलीज हुई है। इस मूवी में जाह्नवी कपूर हीरोइन का किरदार निभा रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म ने अब तक 230.67 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

जब टीवी एक्ट्रेस ने सलमान खान को कह दिया था- 'कौन है ये आदमी', एक्टर का रिएक्शन आप भी रह जाएंगे हैरान

उपासना ने सलमान खान के साथ 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो' और 'मुझसे शादी करोगी' जैसी फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा वह कई बार कपिल शर्मा के शो में भी उनके साथ नजर आ चुकी हैं। गलट्टा इंडिया को दिए इंटरव्यू में उन्होंने किस्सा शेयर करते हुए कहा, 'उस समय हमें पहले से नहीं पता होता था कि सामने बैठा स्टार क्या बोलेगा। हम बस अपने डायलॉग तैयार करके जाते थे, जैसे किसी नाटक में करते हैं। लेकिन गेस्ट के साथ क्या बातचीत होगी, यह पहले से तय नहीं होता था।' इस दौरान उन्होंने एक खास घटना को याद करते हुए बताया कि शो के दौरान सलमान खान ने कुछ कहा, जिस पर उन्होंने तुरंत रिएक्ट करते हुए बोल दिया, 'कौन है ये आदमी?' उपासना ने आगे कहा, 'जरा सोचिए, उपासना सिंह सलमान खान को कह रही हैं 'कौन है ये आदमी?' सेट पर 14 कैमरे थे और अचानक पिन–ड्रॉप साइलेंस हो गया। सबको लगा कि सलमान नाराज हो जाएंगे, उठकर चले जाएंगे और शो अधूरा रह जाएगा।' लेकिन इसके बाद जो हुआ, वह किसी ने नहीं सोचा था। उन्होंने बताया, 'सलमान जी इतनी जोर से हंसने लगे कि वह सोफे से गिरने वाले थे। वह करीब 4–5 मिनट तक लगातार हंसते रहे।' यही डायलॉग बाद में शो का फेमस कैचफ्रेज बन गया। उपासना ने बताया कि इसके बाद जो भी स्टार शो में आता था, वह यह डायलॉग जरूर बोलती थीं। यहां तक कि इस पर टी–शर्ट्स भी बन गई थीं। उपासना सिंह ने यह भी कहा कि अगर उन्हें फिर से कपिल शर्मा के शो में बुआ जैसे किरदार के साथ वापसी का मौका मिलता है, तो वह जरूर करना चाहेंगी। उन्हें उम्मीद है कि अगर ऐसा कोई रोल होगा, तो कपिल उन्हें जरूर बुलाएंगे। बता दें कि उपासना सिंह पिछले 30 वर्षों से हिंदी, पंजाबी और रीजनल सिनेमा में काम कर रही हैं। उन्होंने 'जुदाई', 'हंगामा', 'मुझसे शादी करोगी' और 'जुड़वा 2' जैसी फिल्मों में काम किया है। हाल ही में उन्होंने 'ओ जाना' नाम का एक रोमांटिक गाना भी प्रोड्यूस किया है, जिसमें उनके बेटे नानक सिंह और एक्टर सिमरन खानवानी नजर आए हैं। इस गाने को सिंगर व्रज क्षत्रिय ने अपनी आवाज दी है।

भंसाली के सेट पर गई थी कर्मचारी की जान, चार दिन बाद FWICE ने उठाया बड़ा कदम, पीड़ित परिवार को मिलेंगे 40 लाख

17 जून की सुबह करीब 3 बजे गोरेगांव (पूर्व) में रॉयल पंप स्टूडियो में शलव एंड वॉरश का सेट लगा था। इस फिल्म के सेट पर एक हादसे में 42 साल के चंद्रधारी यादव की मौत हो गई। यह फिल्म संजय लीला भंसाली बना रहे हैं, इसमें लीड रोल रणबीर कपूर और आलिया भट्ट हैं। इस घटना के बाद फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एंप्लॉइज और फिल्म स्टूडियो सेटिंग एंड एलाइड मजदूर यूनियन ने मिलकर फिल्म के प्रोड्यूसर्स से पीड़ित परिवार के लिए आर्थिक मदद की मांग की। चंद्रधारी यादव एक कारपेंटर थे और फिल्म स्टूडियो सेटिंग एंड एलाइड मजदूर यूनियन के सदस्य थे। यूनियन के प्रतिनिधियों के मुताबिक शुरुआती तौर पर लगा कि उनकी मौत शॉर्ट सर्किट के कारण हुई। हालांकि मौत की असली वजह का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। चंद्रधारी यादव के परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियां हैं। परिवार को इस मुश्किल घड़ी में आर्थिक सहायता मिल सके, इसके लिए प्रयास किए गए। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एंप्लॉइज और फिल्म स्टूडियो सेटिंग एंड एलाइड मजदूर यूनियन ने मिलकर फिल्म 'लव एंड वॉर' के प्रोड्यूसर्स से पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद करने की मांग की है। इसके बाद संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन हाउस ने चंद्रधारी यादव के परिवार को 40 लाख रुपये देने की पेशकश की। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एंप्लॉइज के अध्यक्ष बीएन तिवारी का कहना है, 'आर्थिक मुआवजे के अलावा हमने प्रोड्यूसर से मृतक के बच्चों की पढ़ाई–लिखाई की जिम्मेदारी लेने का भी अनुरोध किया है। अक्सर वर्करों से तय आठ से दस घंटे से कहीं ज्यादा काम कराया जाता है। काम के दौरान कोई व्यक्ति शारीरिक रूप से खुद को कितना थका सकता है, इसकी भी एक सीमा होती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हम आगे की कार्रवाई तय करेंगे।' फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एंप्लॉइज के जनरल सेक्रेटरी अशोक दुबे कहते हैं, 'चंद्रधारी पिछले तीन दिनों से लगातार सेट पर काम कर रहे थे और जिस दिन हादसा हुआ, उस दिन सुबह 7 बजे से रात 3 बजे तक ड्यूटी पर थे। वहां मौजूद लोगों के मुताबिक उन्हें बिजली का झटका लगा और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। हमने संजय लीला भंसाली को पत्र लिखकर चंद्रधारी की पत्नी को उनके प्रोडक्शन हाउस में नौकरी देने का भी अनुरोध किया है।'

निकिता दत्ता ने 'कबीर सिंह' को बताया करियर का टर्निंग प्वाइंट, कहा- इस फिल्म ने मुझे जरूरी बदलाव दिया

शाहिद कपूर की कबीर सिंह को रिलीज हुए सात साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्म का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने करियर पर इस फिल्म के लंबे समय तक रहने वाले असर के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इस फिल्म ने इंडस्ट्री में उनके बारे में लोगों की सोच बदल दी और बॉलीवुड में लीड रोल पाने का रास्ता बनाया। एएनआई से बात करते हुए निकिता ने 'कबीर सिंह' को अपने करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट बताया। फिल्म ने उनके करियर पर कैसे असर डाला इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि कबीर सिंह मुझे तब मिली जब मैं फिल्मों में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही थी। कबीर सिंह के बाद कास्टिंग के मामले में मुझे अलग नजरिए से देखा जाने लगा। मैंने लीड रोल वाली अपनी पहली दो फिल्में साइन कीं। इस फिल्म ने मुझे वह बदलाव दिया जिसकी मुझे जरूरत थी। फिल्म में शाहिद कपूर के साथ काम करने के अपने अनुभव को निकिता ने साझा किया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म ऐसी थी, जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया और जिस पर काफी चर्चा हुई। हालांकि, फिल्म की शूटिंग के दौरान कभी भी फाइनल रिजल्ट के बारे में नहीं सोचा। मैंने फिल्म को दिन–दर–दिन के हिसाब से किया। बस हर सीन में जो कर सकती थी, वह करने की कोशिश की। यह वांगा सर का विजन था जिसकी वजह से ऐसा रिजल्ट मिला। शूटिंग के दौरान शाहिद का फोकस तारीफ के काबिल था। निकिता जल्द ही श्नजदीकियांश में मुख्य भूमिका निभाती नजंर आएंगी। यह प्राइम वीडियो इंडिया की आने वाली सीरीज है, जिसे धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। यह प्रोजेक्ट धर्माटिक के साथ उनका पहला कोलेबोरेशन है। धर्माटिक करण जौहर का डिजिटल कंटेंट डिवीजन है। सीरीज से जुड़ने के बारे में बात करते हुए दत्ता ने कहा कि मुझे लगता है कि करण जौहर आज के समय में फैमिली–रोमकॉम के जीनियस हैं। जब से मैंने एक्टिंग शुरू की है, उनकी ड्रामेडी का हिस्सा बनना मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है। जब मुझे यह ऑफर मिला, तो इसे ठुकराने का कोई सवाल ही नहीं था। आज के दौर के रिश्तों पर आधारित ड्रामा श्नजदीकियांश में निकिता मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और ताहा शाह भी हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो इंडिया पर स्ट्रीम होगी। निकिता दत्ता को आखिरी बार श्ज्वेल थीफ – द हीस्ट बिगिन्सश में देखा गया था, जिसमें उन्होंने सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के साथ काम किया था।

अरबी काटते समय अब नहीं होगी हाथों में खुजली, बड़े काम के है ये टिप्स

अरबी की सब्जी खाने में जितनी स्वाद लगती है इसे छीलने का काम उनता ही मुश्किल है। कई लोगों की शिकायत होती है कि जब भी वह अरबी को छीलते या काटते है तो उनके हाथों में खुजली होने लगती है। बता दें कि अरबी का पत्ता बहुत पतला होता है जिसके कारण कुछ लोग इसे छीलने के लिए अलग–अलग तरकीब निकालते हैं जिससे खाने लायक हिस्सा भी कभी–कभी छिल जाता है। ऐसे में मजबूरन हमें हाथों का इस्तेमाल करना ही पड़ता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स और ट्रिक बताएंगे जिन्हें अपनाकर आप आसानी से अरबी छील पाएंगे और हाथों में खुजली और सूजन की समस्या भी नहीं होगी। तो चलिए जानते हैं अरबी छीलने के तरीकों के बारे में।

किचन ग्लव्स पहनें

अरबी की सब्जी खाने का मन है तो इसे छीलने से पहले अपने हाथों में किचन ग्लव्स पहनना न भूले। अगर आप किचन ग्लव्स पहनकर सब्जी को काटते है तो हाथों में खुजली की समस्या नहीं होगी।

बर्तन धोने वाले स्क्रब का करें इस्तेमाल

अगर आपने ग्लव्स पहन लिए है तो फिर आप बर्तन धोने वाले स्क्रब का इस्तेमाल करें। ध्यान रहे स्क्रब एकदम नया हो और इसका प्रयोंग किसी और काम में न किया गया हो।

नारियल का छिलका

अरबी को छीलने के लिए आप नारियल के छिलके का प्रयोग कर सकते है। इसके लिए नारियल के छिलके को लेकर उसे गोल मोड़ दें। इसके बाद इसकी मदद से अरबी के छिलके को उतारे।

हाथों में ऑयल लगाएं

अरबी की सब्जी छीलने से पहले अपने हाथों पर तेल लगाना अरबी पर थोड़ा नमक छिड़कना कभी न भूलें। इस विधि से अगर आप अरबी की सब्जी को छीलते है तो यकीनन आपके हाथों में खुजली और सूजन भी नहीं आएगी।

फेसवॉश के दौरान ज्यादातर महिलाएं करती हैं ये मिस्टेक, स्किन को होता है नुकसान

स्किन साफ करने के लिए फेस वॉश करना बेहद जरूरी है। खासतौर पर गर्मी के मौसम में इसका इस्तेमाल करना जरूरी है। ये स्किन को डीप क्लीन करने में मदद करता है। लेकिन अगर सही तरह से चेहरा साफ ना किया जाए तो स्किन से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। ऐसे में यहां जानिए फेस वॉश इस्तेमाल करने का सही तरीका।

फेस वॉश में गलती

अगर आप हथेली पर फेसवॉश लेकर सीधे चेहरे पर लगाते हैं और रगड़ने लगते हैं तो चेहरे पर परेशानी हो सकती है। अगर आपके चेहरे पर मेकअप है तो आप सबसे पहले मेकअप रिमूवर से उसे साफ करना जरूरी है। अगर आप बिना मेकअप हटाए फेस वॉश करते हैं तो स्किन पर एलर्जी की समस्या हो सकती है।

मेकअप हटाने के बाद करें ये काम

मेकअप रिमूव करने के बाद अपने चेहरे को पानी से अच्छी तरह से साफ करें। फिर फेस वॉश को सर्कुलर मोशन में लगाते हुए मसाज करें। फेस वॉश करते समय चेहरे को रगड़ने से बचना चाहिए। ऐसा करने पर स्किन रैश हो सकते हैं।

फेस वॉश के बाद लगाएं टोनर

चेहरे को फेसवॉश से साफ करने के बाज साफ तौलिया से पोछ लें फिर स्किन पर टोनर लगाएं। स्किन टोनर आपकी स्किन को मॉइश्चराइज करने में मदद करता है। ऐसा करने पर आपके स्किन पोर्स साफ और टाइट होते हैं। जब आप फेस वॉश के बाद सही तरह से स्किन को साफ करते हैं तो स्किन खुलकर सांस लेती है।

2 मिनट में तैयार नूडल्स सेहत को पहुंचाएंगे नुकसान, अभी से हो जाएं सर्तक

नूडल्स का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के मुंह में पानी आना शुरु हो जाता है। जापान से तैयार हुए ये नूडल्स आज पूरी दुनिया में इतने फेमस हो गए हैं कि सभी इनका स्वाद लेना पसंद करते हैं। दुनियाभर के बाजारों में आज यह काफी मात्रा में पाए जाते हैं। लेकिन ज्यादा मात्रा में इन्हें खाने से सेहत को कई नुकसान हो सकते हैं। जितने यह खाने में स्वाद होते हैं उतने ही यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं। आज आपको बताएंगे कि नूडल्स कैसे आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

नूड्स को मुख्य तौर पर आटा, स्टार्च, पानी, नमक, कंसुई, सोडियम कार्बोनेट और पौटेशियम कार्बोनेट, पॉम ऑयल मौजूद होता है। इसके अलावा इंस्टेंट नूडल्स में सीजनिंग, नमक और मोनोसोडियम ग्लूटामेट भी मौजूद होता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो 100 ग्राम इंस्टेंट नूडल्स में 397 से 3678 मिलीग्राम सोडियम मौजूद होता है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एक दिन में केवल 2 ग्राम सोडियम का सेवन ही फायदेमंद होता है। सोडियम ज्यादा खाने से स्टोमक कैंसर स्ट्रोक, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर और किडनी संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ता है।

बहुत नुकसानदायक होता है एमएसजी

नूडल्स में इस्तेमाल होने वाला एमएसजी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक है। इसको लेकर कई सारी रिसर्च भी हुई है जिसमें यह सामने आया है कि इसका सज्यादा सेवन करने से सिर में दर्द, चक्कर आना, हाई ब्लड प्रेशर, थकान, कमजोर, मांसपेशियों में खिंचाव, सीने में दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

प्रोटीन और फाइबर होता है कम मौजूद

इंस्टेंट नूडल्स में प्रोटीन और फाइबर कम मात्रा में पाए जाते हैं। प्रोटीन का सेवन करने से आपका पेट हर समय भरा रहता है और फाइबर गट को क्लीन करने में मदद करता है। ऐसे में जब आप इंस्टेंट नूडल्स खाते हैं तो इससे आपका पाचन तंत्र खराब हो सकता है। इसके अलावा इससे भूख की क्रेविंग भी बड़ती है जिससे आपका वजन बढ़ने लगता है।

प्रेग्नेंसी में नूडल्स खाना पड़ेगा भारी

गर्भावस्था महिलाओं को लिए बहुत ही नाजुक अवस्था होती है इस दौरान कुछ गलत खाने से बच्चे के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। ऐसे में यदि आप प्रेग्नेंसी में इसे खाती हैं तो समस्या बढ़ सकीत है। इंस्टेंट नूडल्स में पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, विटामिन, खनिज पदार्थ और फाइबर की कमी होती है ऐसे में इसे खाना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। यदि आप इंस्टेंट नूडल्स खाती हैं तो नमक और एडिटिव्स की मात्रा कम ही रखें।

ये रसीला फल एक साथ कई बीमारियों की करता है छुट्टी, जानिए इसे खाने के बड़े–बड़े फायदे

शहतूत बेहद छोटा और रसीले फलों में से एक है। यह स्वादिष्ट होने के साथ ही कई बीमारियों को दूर करने में भी सहायक है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, आयरन, पोटेशियम, फॉस्फोरस और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। गर्मियों में शहतूत का सेवन करने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। इसे खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। तो चलिए जानते है इसे खाने के फायदे।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है शहतूत

शहतूत एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और खनिजों का एक समृद्ध स्रोत है। एंटीऑक्सिडेंट शरीर को फ्री रैडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं, क्योंकि इनसे कैंसर, हृदय रोग और मधुमेह जैसी बीमारियां होने का खतरा रहता है।

पाचन के लिए बेहतर

शहतूत डाइजेस्टिव सिस्टम में सूजन को कम करने में मदद कर सकता है और पेट की बीमारियों को शांत करके पाचन में सुधार भी करता है।

एंट–एजिंग गुण

शहतूत में एंटी–एजिंग गुण होने के कारण यह त्वचा की झुर्रियों और उम्र बढ़ने के अन्य लक्षणों को कम करने में सहायक है।

आंखों के लिए फायदेमंद

शहतूत का सेवन करने से हमारी आंखों की रोशनी में बढ़ती है साथ ही आंखों को खराब होने से बचाने में भी मदद मिलती है।

फेफड़ों को स्वस्थ करने में सहायक

शहतूत के पेड़ की जड़ की छाल में भी एंटीवायरल और जीवाणुरोधी गुण होते हैं। जिसके चलते यह हमारे फेफड़ों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

घाव भरने में करें मदद

शहतूत ही नहीं इसके पत्ते भी हमारे शरीर को बहुत फायदा देते है। अगर आपको कोई चोट लग गई है तो आप शहतूत के पत्तों को घाव या फोड़े पर लगाए। इसे लगाने से आपका घाव बहुत जल्दी भर जाएगा।

ब्लड सर्कुलेशन में सुधार

शहतूत नसों को चौड़ा कर उनमें जमें कोलेस्ट्रॉल लेवल को सही कराने के साथ ही ब्लड सर्कुलेशन को सही करते है। नसों के चौड़ा होने से ब्ल्ड फ्लो में सुधार होता है। इसमें मौजूद आयरन ब्लड में रेड सेल्स को बढ़ाता है।

शादी हो या पार्टी हाथों की खूबसूरती बढ़ाएंगे ये खूबसूरत नेल आर्ट

जिस तरह चेहरा खूबसूरती बढ़ाता है, उसी तरह हाथों का भी सुंदर दिखना बेहद जरूरी है। आज कल लड़कियां अपने हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए क्या कुछ नहीं करती हैं। हाथों को आकर्षक बनाने के लिए ही नेल आर्ट और ट्रेंडी नेल कलर्स का चलन काफी बढ़ रहा है। क्योंकि अगर नाखून सुंदर होंगे तो आपके लुक और शानदार लगेगा। आज हम आपको नेल आर्ट की कुछ बेहद खूबसूरत डिजाइंस दिखाने जा रहे हैं जिनके सहारे आप अपने हाथों को सजा सकती हैं।

पोल्का डॉट्स

पोल्का डॉट्स का इस्तेमाल सिर्फ आउटफिट्स में ही नहीं बल्कि नेल आर्ट्स में भी खूब देखने को मिल रहा है। मैचिंग आउटफिट्स के साथ इस तरह के नेल आर्ट ट्राई करके आपके हाथों की खूबसूरती तो बढ़ेगी कि साथ ही ऑवरऑल लुक पर चार–चांद भी लग जाएगा।

मल्टी कलर

आप बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा की तरह मल्टी कलर नेलआर्ट के डिजाइंस चूज कर सकती हैं। इस तरह के नेलआर्ट्स आजकल काफी पसंद किए जा रहे हैं। यह डिजाइन देखने में बहुत स्टाइलिश लगता है और उभर कर भी आता है।

स्टोन

स्टोन पहले जहां ज्वेलरी या बैग में ही दिखाई देते थे अब इसे नेल आर्ट्स डिजाइन में भी एडऑन किया जा रहा है। डबल शेड नेल पॉलिश के ऊपर स्टोन सजाकर कुछ नया ट्राई करे। आप चाहें तो आउटफिट के कलर के अनुसार भी स्टोन का चुनाव कर सकते हैं। इस तरह के डिजाइन को दुल्हनें ज्यादा पसंद करती हैं।

ग्लिटर

ग्लिटर नेलपॉलिश तो आपने कई बार नेल्स पर लगाई होंगी लेकिन इन दिनों ग्लिटर नेलआर्ट्स का काफी ट्रेंड चल रहा है। खासकर अगर आप किसी पार्टी या वेडिंग में जा रहे हैं तो इनके जरिए अपने हाथों को एक अलग लुक दे सकते हैं। इस तरह के नेलआर्ट आपको भीड़ से हटके तो लुक देंगे ही साथ में आपके हाथों की खूबसूरती भी बढ़ाएंगे।

क्यूट हार्ट्स

क्यूट हार्ट्स की शेप वाले नेलआर्ट भी देखने में काफी अच्छे लगते हैं। खासकर वैलेंटाइन के मौके पर या फिर किसी खास दिन पर आप इस तरह के नेलऑर्ट्स ट्राई कर सकते हैं। इस दौरान कलर कॉम्बिनेशन का खास ध्यान रखें ताकि डिजाइन खिलकर सामने आए।

स्टार्स

अगर आपको चांद–सितारे पंसद हैं तो आप इन्हें अपने नाखूनों पर भी सजा सकते हैं। इस तरह का डिजाइन आपके हाथों को और यूनिक लुक देने में मदद करेगा। आप अपनी पसंद

के अनुसार डिजाइन को रीक्रिएट भी कर सकती हैं।

इन बातों का भी रखें ख्याल

. नेल आर्ट करने के बाद सोने से पहले हैंड क्रीम जरूर लगाएं। इससे नेल हेल्थी रहेंगे और नेल आर्ट ज्यादा दिन तक चलेगा।

. आर्ट करवाते समय नाखूनों को इतना लंबा न रखें जिससे आपको दिक्कत होने लगे।

. नेल आर्ट के बाद केमिकल वाले डिटर्जेंट का इस्तेमाल करने से बचें। इससे नाखूनों पर बुरा असर पड़ सकता है।

. नाखूनों को खुरचने की गलती बिल्कुल ना करें , वरना वो जल्दी टूट सकते हैं

संक्षिप्त

वैश्विक अनिश्चितता और युद्ध से घटा निवेश, अपनाएं क्या रणनीति?

नई दिल्ली,एजेंसी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मई के आंकड़ों ने कई निवेशकों के दिल की धड़कन बढ़ा दी है। वैश्विक अनिश्चितता और युद्ध के बीच मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश मासिक आधार पर 40 फीसदी घटा है। मई में सिर्फ 22,878 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। अप्रैल में यह आंकड़ा 38,148 करोड़ और मार्च में 40,450 करोड़ रुपये था। राहत की खबर है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम और होर्मुज जलमार्ग खोलने पर सहमति बनने के बाद से बाजार में लगातार निचले स्तरों से वापसी शुरू हुई है। पिछले चार कारोबारी सत्रों में निफ्टी–50 में करीब 4 फीसदी की तेजी आ चुकी है। बाजार जब मंदी या दबाव के दौर से निकलकर वापस ऊपर की ओर कदम बढ़ा रहा हो, तो अपने पोर्टफोलियो के आईने को साफ करने का यह सबसे मुफीद समय है। अंडरपरफॉर्मर फंड्स की छंटनी करेंरू अगर आपका कोई इक्विटी फंड अपनी ही श्रेणी के दूसरे प्रतिस्पर्धी फंड्स और अपने बेंचमार्क सूचकांक के मुकाबले लगातार खराब प्रदर्शन कर रहा है, तो इस रिकवरी के दौर में उससे बाहर निकलिए। रिकवरी में जब उस फंड की एनएवी थोड़ी सुधरे, तो पैसा निकालकर किसी मजबूत फंड में लगा दें। स्मॉल और मिडकैप से करें आंशिक मुनाफावसूलीरू अगर आपके कुल पोर्टफोलियो में छोटी कंपनियों का हिस्सा आपकी तय सीमा से बहुत ज्यादा बढ़ चुका है, तो वहां से आंशिक मुनाफा निकालकर उसे लार्जकैप या डेट फंड्स में लगाएं। जब बाजार में रिकवरी शुरू होती है, तो आम निवेशक अक्सर पीछे छूट जाने के डर का शिकार हो जाता है। वह सोचता है कि अगर अभी सारा पैसा नहीं लगाया, तो ट्रेन छूट जाएगी। जोश में आकर होश खोने की यह गलती आपके पूरे वित्तीय भविष्य को नुकसान पहुंचा सकती है। सिप को बनाएं सुरक्षा कवचरू बाजार चाहे गिरे या रिकवरी दिखाकर नए शिखर पर जाए, आपकी हर महीने जाने वाली एसआईपी की किस्तें भूलकर भी रुकनी नहीं चाहिए। जब बाजार गिरता है, तो आपको उसी पैसे में ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं, और जब बाजार रिकवरी दिखाता है, तो वही पुरानी सस्ती यूनिट्स आपके पोर्टफोलियो के रिटर्न को आसमान पर ले जाती हैं। एकमुश्त बड़ा पैसा झोंकने से बचें, चूंकि बाजार अभी–अभी युद्ध के दबाव से बाहर निकला है, इसलिए वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने महंगाई और ब्याज दरों की चुनौतियां पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। रिकवरी के शुरुआती दिनों में एकमुश्त बड़ी पूंजी बाजार में न लगाएं। एसटीपी का अचूक नुस्खारू अगर आपके पास निवेश करने के लिए बड़ी रकम है, तो सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान का रास्ता चुनें। अपनी पूरी पूंजी को पहले किसी सुरक्षित लिक्विड या मनी मार्केट डेट फंड में रख दें, और वहां से एक निश्चित राशि हर हफ्ते या हर महीने अपनी पसंद के इक्विटी फंड में ट्रांसफर होने दें। मई महीने में म्यूचुअल फंड निवेश का गिरना सिर्फ इस बात का प्रतीक था कि खुदरा निवेशक युद्ध की आहट और कच्चे तेल के बढ़ते तेवरों को देखकर थोड़े सहमे हुए और सतर्क थे। अब जब बाजार ने निचले स्तरों से रिकवरी दिखाना शुरू कर दिया है, तो पैर पीछे खींचने का नहीं, बल्कि अनुशासन दिखाने का समय है। अपनी वित्तीय स्थिति, उम्र और जोखिम क्षमता के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को व्यवस्थित करें और निरंतर निवेश करते रहें।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ग्रीर भारत आएंगे, द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा में आएगी तेजी

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर भारत दौरे पर आएंगे। वह अंतरिम व्यापार समझौते पर चर्चा को आगे बढ़ाएंगे। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरवरी में किया था। ग्रीर वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेंगे। वे भारत–अमेरिका संयुक्त बयान और अंतरिम समझौते पर बात करेंगे। ट्रंप और मोदी ने पिछले सप्ताह जी–7 बैठक में व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की बात कही थी। ट्रंप ने मोदी को एक मजबूत वार्ताकार भी बताया था। गोयल ने 5 जून को कहा था कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते का पहला चरण अगले महीने के मध्य तक लागू हो सकता है। भारत के बाद ग्रीर उज्बेकिस्तान जाएंगे। वहां वह अमेरिका के साथ निष्पक्ष व्यापार पर चर्चा करेंगे।

अमेरिका ने 48 करोड़ डॉलर के रक्षा सौदे को दी मंजूरी, भारत की सैन्य क्षमता में होगा इजाफा

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका ने भारत को अपाचे हेलीकॉप्टर और अल्ट्रा लाइट होवित्जर तोपों के रखरखाव और सहायता सेवाओं से संबंधित उपकरण बेचने की मंजूरी दे दी है। इस प्रस्तावित सौदे की कुल अनुमानित लागत 48.22 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। अमेरिका के डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी (डीएससीए), जो विदेशी सैन्य बिक्री (एफएमएस) को मंजूरी देती है, उसने 17 जून को संघीय रजिस्टर में इस रक्षा बिक्री संबंधी अधिसूचना जारी की। इससे पहले 18 मई को अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत को अपाचे हेलीकॉप्टरों और एम777ए2 अल्ट्रा–लाइट हॉवित्जर तोपों के लिए सहायता सेवाओं की संभावित बिक्री के बारे में अमेरिकी कांग्रेस को सूचित किया था। भारत ने अपनी तोपखाना क्षमता, खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में संचालन क्षमता को मजबूत करने के लिए अमेरिका से एम777ए2 अल्ट्रा–लाइट हॉवित्जर खरीदी थीं। वहीं भारतीय सेना एएच–64ई अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों का भी संचालन करती है, जिन्हें दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू हेलीकॉप्टरों में गिना जाता है। अधिसूचना के अनुसार, भारत ने एम777ए2 अल्ट्रा–लाइट हॉवित्जर के लिए दीर्घकालिक रखरखाव सहायता का अनुरोध किया है। इस पैकेज में सहायक उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, मरम्मत एवं वापसी सेवाएं, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता, फील्ड सर्विस प्रतिनिधि, डिपो क्षमता विकास तथा लॉजिस्टिक और कार्यक्रम सहायता से जुड़े तत्व शामिल होंगे। इस सहायता पैकेज की अनुमानित लागत 23 करोड़ डॉलर बताई गई है।

रोहित शर्मा: क्या हिटमैन हैं भारत के नंबर-1 ओपनर? सचिन-गावस्कर के बाद अब सहवाग को भी इस मामले में छोड़ा पीछे

मुंबई, एजेंसी। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में 79 रन की शानदार पारी खेलकर रोहित शर्मा ने भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। उन्होंने वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए ओपनर के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इसके अलावा 39 वर्ष 51 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय बल्लेबाज भी बन गए। भारत ने इस मुकाबले में अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराकर सीरीज 3–0 से अपने नाम की। भारत के दिग्गज ओपनर रोहित शर्मा 39 साल की उम्र में भी बड़े बड़े रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ चेन्नई में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में भारतीय कप्तान ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। 79 रन की शानदार पारी खेलते हुए उन्होंने न सिर्फ भारत को आसान जीत दिलाई, बल्कि भारतीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों को पीछे छोड़ते हुए एक नया कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया। हिटमैन ने 69 गेंदों में 79 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल रहे। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने 219 रन के लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया और भारत ने 28.4 ओवर में ही मैच जीतकर अफगानिस्तान का 3–0 से सूपड़ा साफ कर दिया। इस पारी के दौरान रोहित शर्मा ने वीरेंद्र सहवाग का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ओपनर बन गए हैं। इस उपलब्धि के साथ रोहित ने भारतीय क्रिकेट के तीन महान ओपनरों, सहवाग, सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया है। रोहित शर्मा ने एक और खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। 39 वर्ष और 51 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर वह वनडे क्रिकेट में भारत के लिए सबसे

उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने पचास से ज्यादा रन की पारी खेली हो। इससे पहले यह रिकॉर्ड मोहिंदर अमरनाथ के नाम था, जिन्होंने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 39 वर्ष और 21 दिन की उम्र में 88 रन बनाए थे। रोहित के साथ युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने 86 गेंदों पर नाबाद 110 रन का पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 170 रन जोड़कर मैच को एकतरफा बना दिया। यशस्वी का यह शतक बताता है कि भारतीय बल्लेबाजी की अगली पीढ़ी भी बड़े मंच पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार है। इससे पहले तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अफगानिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने 5 विकेट लेकर मेहमान टीम को शुरुआती झटके दिए और 36 रन पर चार विकेट गिरा दिए। हालांकि कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी ने शानदार संघर्ष करते हुए 131 गेंदों में 102 रन बनाए। उनके साथ अजमतुल्लाह उमरजई ने 50 रन की उपयोगी पारी खेली, जिससे अफगानिस्तान 218 रन तक पहुंच सका। रोहित शर्मा की इस पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। 39 साल की उम्र में भी वह भारतीय बल्लेबाजी की धुरी बने हुए हैं और रिकॉर्ड बुक में लगातार नए अध्याय जोड़ रहे हैं। अब सवाल यही है कि क्या रोहित शर्मा भारत के सबसे महान ओपनर बन चुके हैं? आंकड़े तो कम से कम इसी ओर इशारा कर रहे हैं।

फीफा वर्ल्ड कप: क्या 48 टीमों वाला दांव सफल हो गया? छोटे देशों ने दिग्गजों को रोककर बदल दी विश्व कप की कहानी

न्यूयॉर्क,एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 शुरू होने से पहले सबसे बड़ी बहस 48 टीमों वाले नए प्रारूप को लेकर थी। आलोचकों का मानना था कि इससे टूर्नामेंट का स्तर गिर जाएगा और बड़े देशों के सामने छोटी टीमें टिक नहीं पाएंगी, लेकिन विश्व कप के शुरुआती 11 दिनों ने इस सोच को पूरी तरह चुनौती दे दी है। स्पेन, पुर्तगाल, उरुग्वे, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड जैसी स्थापित फुटबॉल शक्तियों को उन देशों ने रोक दिया है, जिनका नाम विश्व फुटबॉल के मानचित्र पर शायद ही कभी प्रमुखता से लिया जाता रहा हो। यही कारण है कि अब 48 टीमों वाला विश्व कप आलोचना नहीं, बल्कि सराहना बटोर रहा है। अगर इस विश्व कप की सबसे बड़ी प्रेरणादायक कहानी चुननी हो तो शायद वह केप वर्डे होगी। छह लाख से भी कम आबादी वाला यह अफ्रीकी द्वीपीय देश दो पूर्व विश्व चौंपियन टीमों के सामने मजबूती से खड़ा रहा। पहले मुकाबले में उसने यूरोपीय चौंपियन स्पेन को 0–0 से रोक दिया। 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा रातोंरात विश्व फुटबॉल के नए नायक बन गए। इसके बाद केप वर्डे ने उरुग्वे के खिलाफ भी हार नहीं मानी और 2–2 की बराबरी हासिल की। केविन पीना ने फ्री–किक पर गोल कर विश्व कप इतिहास में केप वर्डे का पहला गोल दागा। यह सिर्फ एक गोल नहीं, बल्कि देश के फुटबॉल इतिहास का सुनहरा अध्याय था। विश्व कप में आबादी के लिहाज से सबसे छोटे देशों में शामिल कुराकाओ ने इक्वाडोर के खिलाफ ऐसा प्रदर्शन किया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। 37 वर्षीय गोलकीपर एलॉय रूम ने पूरे 90 मिनट तक गोलपोस्ट के सामने दीवार बनकर खड़े रहे। उन्होंने मैच में 15 शानदार बचाव किए। आंकड़ों के अनुसार पिछले छह दशकों में किसी विश्व कप मुकाबले में यह एक गोलकीपर द्वारा किए गए सबसे ज्यादा बचाव हैं। इक्वाडोर लगातार हमले करता रहा, लेकिन कुराकाओ ने अपना पहला विश्व कप अंक हासिल कर इतिहास रच दिया।

विश्व कप जीतने के प्रबल दावेदारों में गिने जा रहे पुर्तगाल को भी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो ने झटका दिया। 52 साल बाद विश्व कप में लौटी कांगो की टीम ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे सुपरस्टार से सजी टीम को 1–1 से रोक दिया। कांगो की रणनीति बेहद स्पष्ट थी, डिफेंस में अनुशासन और एकजुटता के साथ गोल करने का प्रयास।

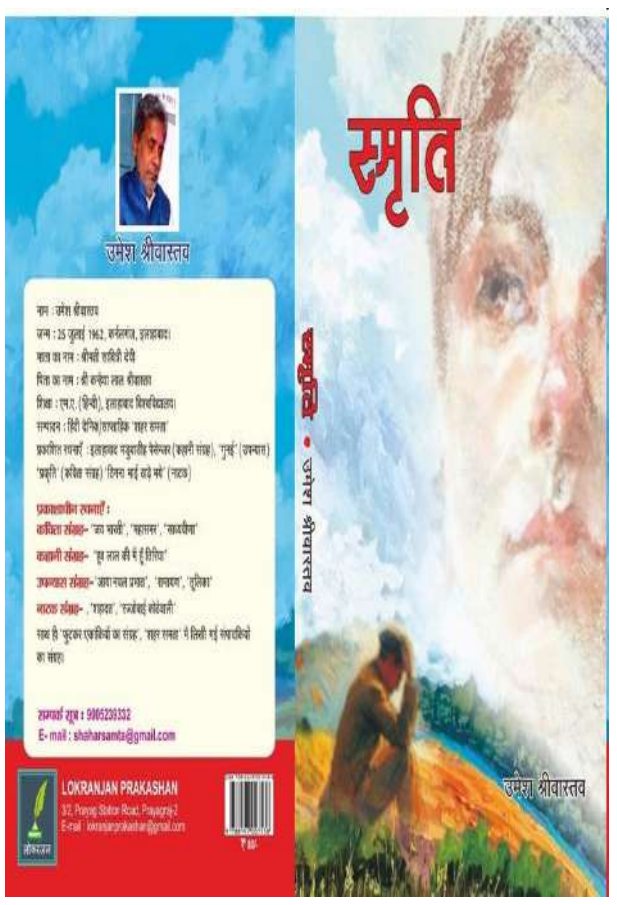

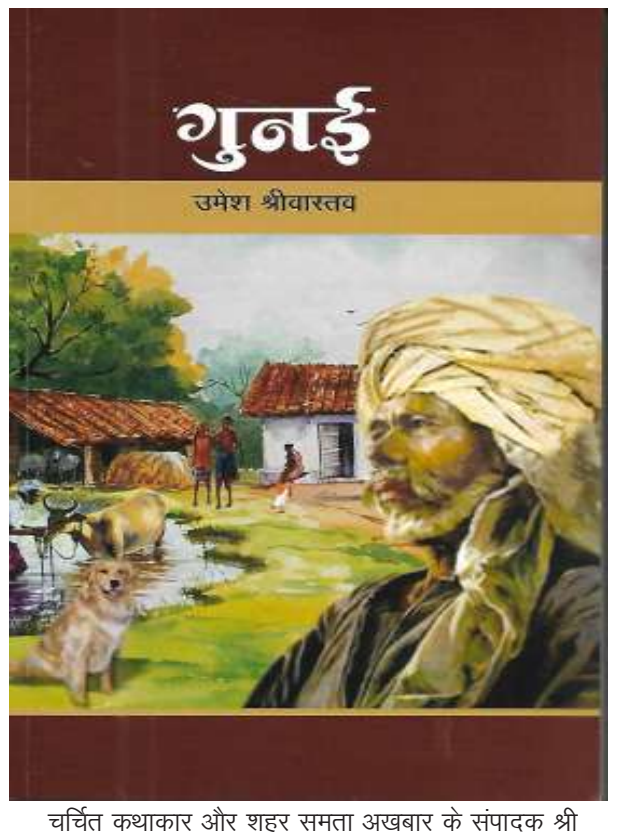

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

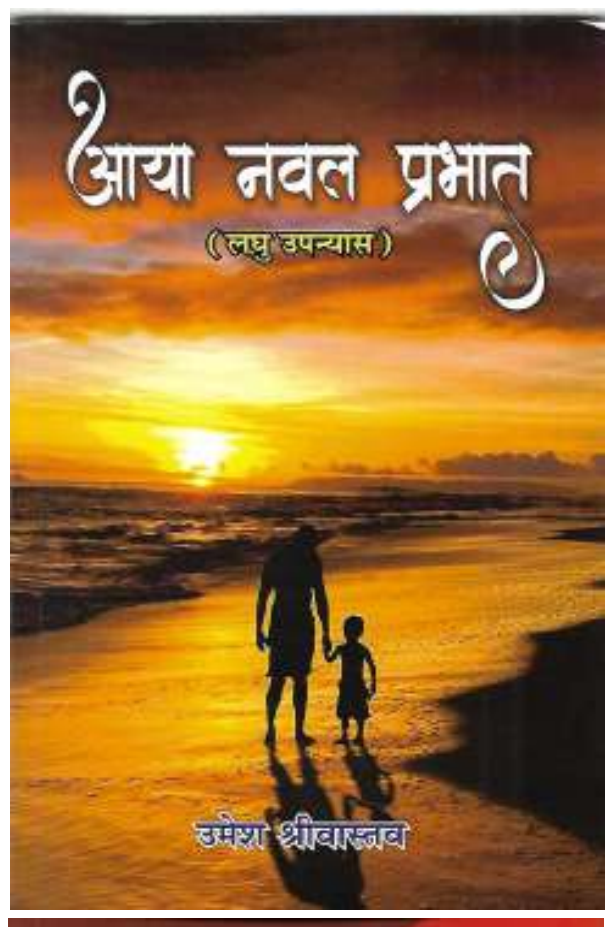

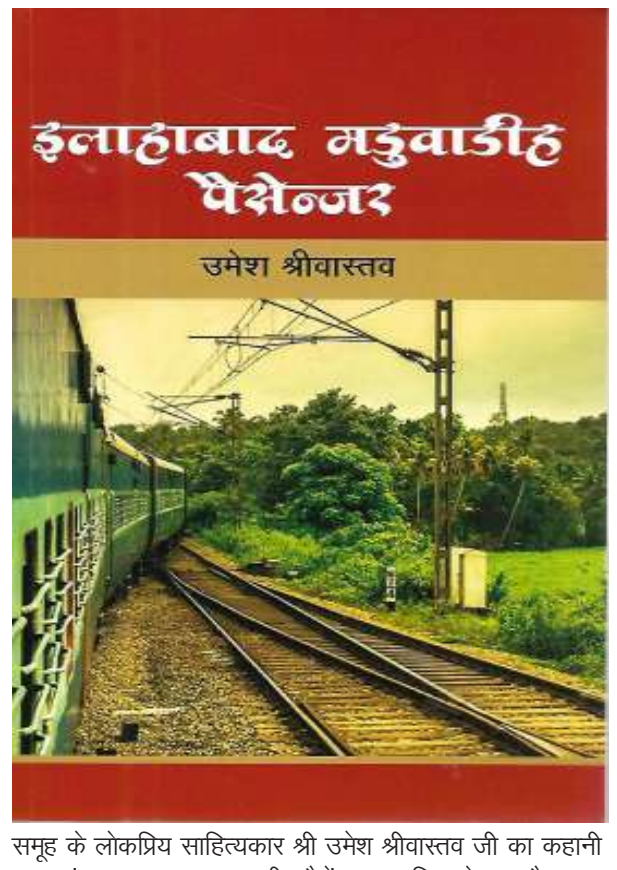

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

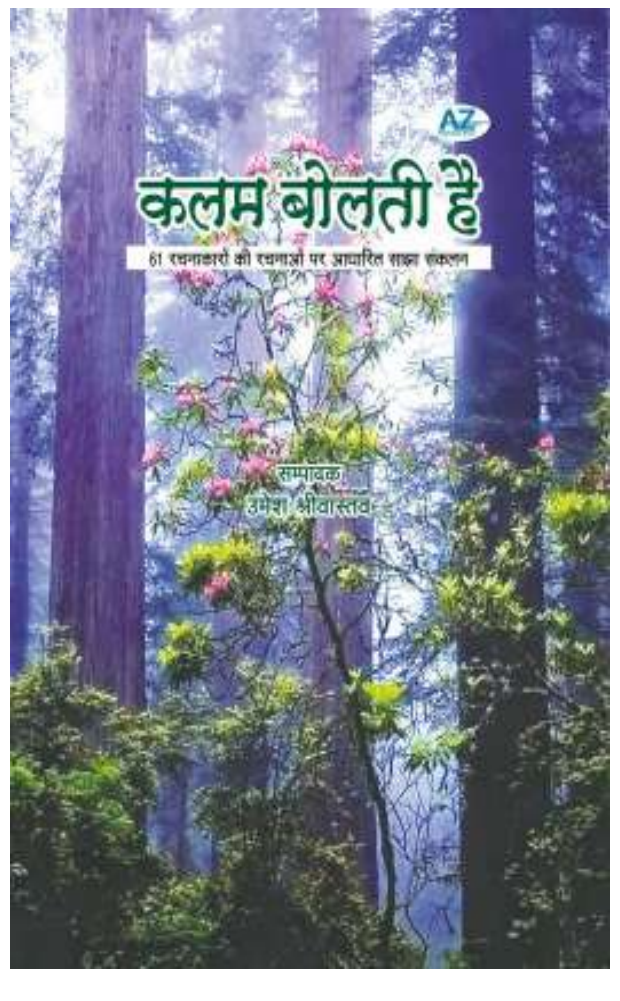

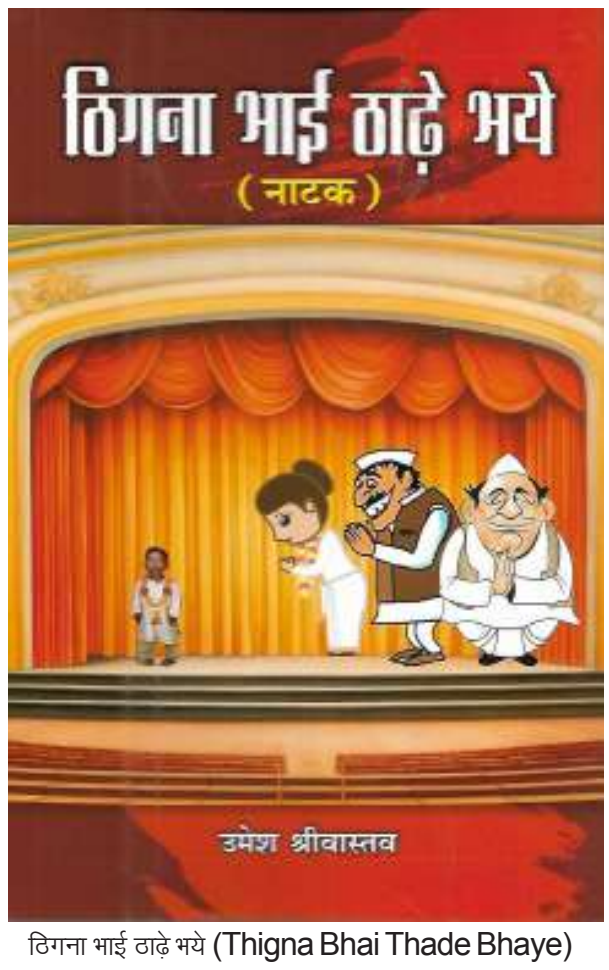

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

'अपने देश वापस भी नहीं लौट पाओगे': होर्मुज पर ईरानी प्रतिनिधिमंडल को ट्रंप की सीधी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसका मकसद पश्चिम एशिया में तनाव को कम करना था। इस बैठक में अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ शामिल हुए, वहीं ईरान का नेतृत्व विदेश मंत्री अब्बास अराघची और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा? बैठक के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा बयान देते हुए ईरान को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य (जतंपज वि भ्वतउन्न) को बंद करने की कोशिश की, तो

अमेरिका उसे पूरी तरह तबाह कर देगा। फॉक्स न्यूज के मुताबिक, उन्होंने यहां तक कह दिया कि ऐसी स्थिति में ईरानी प्रतिनिधिमंडल अपने देश वापस भी नहीं लौट पाएगा। फॉक्स न्यूज के मुताबिक, ट्रंप ने कहा कि अगर बातचीत नाकाम रहती है, तो अमेरिका इस समुद्री रास्ते पर अपना कब्जा कर सकता है। उन्होंने एक नया प्रस्ताव रखते हुए कहा कि वहां से गुजरने वाले तेल के जहाजों से उनकी कीमत का 20 प्रतिशत हिस्सा टैक्स (टोल) के रूप में वसूला जा सकता है। ट्रंप का तर्क है कि अमेरिका ने इस इलाके की सुरक्षा और समुद्री रास्तों को बचाने पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं, इसलिए उसे यह पैसा वापस मिलना चाहिए। उन्होंने अमेरिकी सेना को इस क्षेत्र का श्गार्जियन एंजलश के तौर पर पेश किया और कहा कि सुरक्षा के बदले भुगतान मिलना जरूरी है। बैठक में कौन हुआ शामिल? यह तनावपूर्ण माहौल तब बना जब स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में दोनों देशों के बीच श्इस्लामाबाद समझौतेश के तहत पहले दौर की बातचीत शुरू हुई। इस बैठक में अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ शामिल हुए। ईरान का नेतृत्व विदेश मंत्री अब्बास अराघची और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने किया। इस चार पक्षीय चर्चा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी भी मौजूद रहे। एक तरफ ट्रंप कड़े तेवर दिखा रहे थे, तो दूसरी तरफ जेडी वेंस ने बातचीत को लेकर थोड़ी उम्मीद जताई। वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के लोगों के साथ रिश्तों का एक नया अध्याय शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने लेबनान में युद्धविराम को लेकर कुछ प्रगति होने की बात भी कही, हालांकि उन्होंने माना कि यह प्रक्रिया काफी उलझी हुई है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर भी ईरान को घेरा। उन्होंने मांग की कि ईरान लेबनान में अपने समर्थित गुट हिजबुल्लाह को तुरंत रोके। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर हिजबुल्लाह ने इस्राइल पर हमले बंद नहीं किए, तो अमेरिका ईरान पर पिछले हफ्ते से भी ज्यादा भीषण हमला करेगा। ईरान ने भी अपनाया कड़ा रुख दूसरी ओर, ईरान ने भी कड़ा रुख अपनाया है। ईरानी सरकारी ब्रॉडकास्टर प्स्ठ से, ईरानी वार्ताकार मेहदी घोरबनजादेह ने कहा कि जब तक लेबनान के हालात नहीं सुधरते और ईरान को आर्थिक लाभ नहीं मिलता, तब तक परमाणु कार्यक्रम जैसे दूसरे मुद्दों पर कोई बात नहीं होगी। ईरान चाहता है कि अमेरिका प्रतिबंधों में ढील दे और उसकी रुकी हुई संपत्ति को वापस करे। ट्रंप की धमकियों से नाराज होकर ईरानी अधिकारियों ने फोटो खिंचवाने से मना कर दिया और बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गए।

ईरान कब तक बंद रखेगा होर्मुज? लेबनान-तेल बिक्री को लेकर छूट पर फंसा पेच, इस्राइल रुकने को नहीं तैयार

बर्गेनस्टॉक/तेहरान/दुबई, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते को स्थायी युद्धविराम के रूप में बदलने के लिए स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक शहर में बातचीत

शुरू हो गई है। लेकिन उससे पहले, लेबनान के मसले पर पेच फंसता दिख रहा है।

ईरान ने साफ किया है कि जब तक लेबनान में युद्धविराम लागू नहीं होता और ईरानी तेल की बिक्री के लिए छूट जारी नहीं दी जाती, होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहेगा। इस्राइल ने स्पष्ट कर दिया है कि लेबनान में खतरों को खत्म करने के लिए उसके सैनिकों पर कोई रोक नहीं है। वहीं, अमेरिका का दावा है कि होर्मुज खुला हुआ है और जहाज उसके रास्ते आ-जा रहे हैं। ईरान की दो सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम और फार्स न्यूज ने रविवार को सैन्य सूत्रों के हवाले से बताया कि दुनिया के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

होर्मुज, लेबनान और परमाणु मुद्दा, पहले दौर की वार्ता में क्या-क्या तय हुआ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में अमेरिका और ईरान के बीच दो दिनों तक चली उच्चस्तरीय वार्ता का पहला दौर समाप्त हो गया है। पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में हुई इस बैठक में दोनों देशों ने 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए एक रोडमैप पर सहमति जताई है। यह वार्ता ऐसे समय हुई, जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी हुई है। इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत आयोजित इस बैठक में अमेरिका और ईरान के शीर्ष प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने किया, जबकि ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने भी वार्ता को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। लेक लूसर्न शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि वार्ता सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में संपन्न हुई। अमेरिका और ईरान ने 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए एक रोडमैप को मंजूरी दी। इससे आगे की बातचीत के लिए स्पष्ट समयसीमा तय हो गई है। वार्ता के दौरान एक हाई लेवल कमेटी बनाने का फैसला लिया गया। यह समिति एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन और पूरी वार्ता प्रक्रिया की निगरानी करेगी।

दोनों पक्षों ने तय किया कि तकनीकी स्तर की बातचीत तुरंत शुरू की जाएगी। यह चर्चा पूरे सप्ताह बर्गेनस्टॉक में जारी रहेगी। होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए सीधा संचार तंत्र वार्ता में होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की गलतफहमी और टकराव को रोकने के लिए एक विशेष संचार चौनल बनाने पर सहमति बनी। इसका उद्देश्य व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। वार्ता के दौरान होर्मुज से तेल आपूर्ति प्रभावित होने और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी चर्चा हुई। हालिया अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार पर असर पड़ा है। बैठक में लेबनान में सैन्य गतिविधियों को समाप्त करने से जुड़े एमओयू प्रावधानों के पालन पर भी चर्चा हुई। इसके लिए एक श्डी-कॉन्फ्लिक्शन सेलश बनाने का फैसला किया गया। कतर और पाकिस्तान ने मध्यस्थ के रूप में बातचीत को आगे बढ़ाया। दोनों देशों ने कहा कि वे वार्ता को रचनात्मक माहौल में जारी रखने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस्लामाबाद एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस समझौते में गारंटर की भूमिका निभाई थी। इस्राइल और हिजबुल्ला समझौते का हिस्सा नहीं हालांकि लेबनान में संघर्षविराम लागू है, लेकिन इस्राइल और हिजबुल्ला अमेरिका-ईरान समझौते का हिस्सा नहीं हैं। इस्राइल ने कहा है कि उसकी सेना दक्षिणी लेबनान में तब तक रहेगी, जब तक सुरक्षा खतरे खत्म नहीं हो जाते। शांतिपूर्ण समाधान पर बनी सहमति सभी पक्षों ने कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मध्यस्थ देशों ने उम्मीद जताई कि वार्ता के अगले दौर में और प्रगति होगी। 60 दिन में अंतिम समझौते का रोडमैप क्या?

वार्ता के दौरान एक उच्चस्तरीय समिति के गठन पर सहमति बनी, जो पूरी बातचीत की राजनीतिक निगरानी करेगी। इस समिति को 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए एक रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। मुख्य वार्ताकार नियमित रूप से इस समिति को रिपोर्ट देंगे। परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध, निगरानी तंत्र और विवाद समाधान जैसे मुद्दों के लिए अलग-अलग कार्य समूह भी बनाए जाएंगे। इससे यह संकेत मिला है कि दोनों पक्ष अब तकनीकी स्तर पर ठोस बातचीत की दिशा में बढ़ रहे हैं। क्या होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव कम करने की कोशिश हुई है? वार्ता में होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को लेकर भी महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। दोनों पक्षों ने एक सीधी संचार व्यवस्था स्थापित करने पर सहमति जताई है, ताकि बातचीत के दौरान किसी भी तरह की गलतफहमी या सैन्य टकराव से बचा जा सके। यह तंत्र दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगा। अमेरिकी चेतावनियों और ईरान के कड़े रुख के बीच इस फैसले को काफी अहम माना जा रहा है। क्या लेबनान में युद्ध रोकने की दिशा में भी प्रगति हुई है? वार्ता में लेबनान को लेकर भी अहम प्रगति दर्ज की गई।

सभी पक्षों ने लेबनान में सैन्य अभियानों को समाप्त कराने के लिए एक श्डी-कॉन्फ्लिक्शन सेलश बनाने पर सहमति जताई। इस तंत्र में लेबनान गणराज्य भी शामिल होगा, जबकि कतर और पाकिस्तान सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएंगे। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होगा कि लेबनान में युद्धविराम से जुड़े सभी प्रावधानों का पालन हो। इसके अलावा स्विट्जरलैंड में तकनीकी स्तर की वार्ता पूरे सप्ताह जारी रहेगी।

जीत का जश्न बना रही थी महिला, पड़ोसी ने 911 पर किया फोन, अमेरिकी पुलिस ने घर में घुसते ही चलाई गोली

वॉशिंगटन, एजेंसी।अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक महिला की खुशी का जश्न कुछ ही मिनटों में मातम में बदल गया। 911 पर एक पड़ोसी की शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के पालतू कुत्ते को गोली मार दी। इस पूरी घटना का वीडियो अब सामने आया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में दिख रहा है कि महिला अपने पसंदीदा बास्केटबॉल क्लब न्यूयॉर्क निक्स की ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रही थी, लेकिन पुलिस ने इसे संभावित खतरे की स्थिति मान लिया। लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के अनुसार, 13 जून को एक महिला ने 911 पर फोन कर शिकायत की थी कि उसकी पड़ोसी पिछले 20 मिनट से लगातार ओह माय गॉड चिल्ला रही है। शिकायत करने वाली महिला को आशंका थी कि पड़ोसी के घर में कोई गंभीर घटना हुई है। इसके बाद दो पुलिस अधिकारियों को वेलनेस चेक के लिए अपार्टमेंट भेजा गया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि महिला मैरी मार्सिले न्यूयॉर्क निक्स की 53 साल बाद मिली एनबीए चौंपियनशिप जीत का जश्न मना रही थीं। क्या पुलिस के पहुंचते ही कुत्ते ने भौंकना शुरू कर दिया था? पुलिस द्वारा जारी बॉडीकैम वीडियो में दिखता है कि जैसे ही अधिकारी मैरी मार्सिले से बात करने लगे, उनका दो साल का पालतू कुत्ता जेम्सन जोर-जोर से भौंकने लगा। जेम्सन गोल्डन रिट्रीवर, सेंट बर्नार्ड और पूडल नस्ल का मिश्रित कुत्ता था और उसने न्यूयॉर्क निक्स की जर्सी पहन रखी थी। अधिकारियों ने महिला से कुत्ते को अंदर बांधने के लिए कहा। महिला ने माफी मांगते हुए कुत्ते को अंदर ले जाकर दरवाजा बंद कर दिया। इस दौरान एक अधिकारी को यह कहते हुए सुना गया कि वह इतने बड़े कुत्ते से कटवाना नहीं चाहता। आखिर पुलिस ने कुत्ते पर गोली क्यों चलाई? कुछ देर बाद महिला ने दोबारा दरवाजा खोला। पुलिस ने उनसे पूछा कि क्या कुत्ते को सुरक्षित कर दिया गया है। महिला ने जवाब दिया कि उसका कुत्ता आक्रामक नहीं है। हालांकि, इसी दौरान करीब 48 किलोग्राम वजनी जेम्सन फिर बाहर आ गया और भौंकने लगा। पुलिस के मुताबिक, कुत्ता एक अधिकारी की ओर तेजी से दौड़ा। अधिकारी पीछे हटते हुए लॉबी की तरफ भागा और फिर कुत्ते पर कम से कम चार गोलियां चला दीं। वीडियो में महिला को चिल्लाते हुए सुना जा सकता है, जो अपने पालतू को बचाने की कोशिश कर रही थीं।

घटना के बाद पुलिस विभाग ने क्या कहा? वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर पुलिस की कार्रवाई की कड़ी आलोचना हुई। बढ़ते विरोध के बीच लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग ने बयान जारी कर इस घटना को ष्बेहद दुखदष बताया। पुलिस प्रमुख जिम मैकडॉनेल ने कहा कि किसी परिवार के लिए पालतू जानवर केवल जानवर नहीं होता, बल्कि परिवार का सदस्य और भावनात्मक सहारा होता है। उन्होंने कहा कि जब भी कोई अधिकारी अपनी सर्विस हथियार का इस्तेमाल करता है, तो वह बेहद गंभीर मामला होता है।

पुलिस प्रमुख ने कहा कि अधिकारी रोजाना कई अज्ञात खतरों का सामना करते हैं, लेकिन उनसे संयम, समझदारी और जीवन के प्रति सम्मान दिखाने की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने बताया कि पुलिस के प्रशिक्षण, नीतियों और कुत्तों से जुड़े मामलों में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की गहन समीक्षा की जाएगी। फिलहाल इस घटना की जांच जारी है और यह देखा जाएगा कि क्या अधिकारियों ने निर्धारित नियमों का पालन किया था।

`अधूरा युद्धविराम स्वीकार नहीं': हिजबुल्ला प्रमुख बोले- इस्राइल-अमेरिका हार चुके, ट्रंप पर भी लगाए कई आरोप

बेरूत, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की कोशिशों के बीच हिजबुल्ला प्रमुख शेख नईम कासिम ने अमेरिका और इस्राइल पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि ईरान और क्षेत्र के प्रतिरोधी गुटों को खत्म करने की अमेरिका-इस्राइल की योजना पूरी तरह विफल हो चुकी है। कासिम ने आरोप लगाया कि लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई अमेरिका के

समर्थन के बिना संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि हालिया संघर्ष के बाद पश्चिम एशिया एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां तथाकथित अमेरिकी-इस्राइली परियोजना को हार का सामना करना पड़ा है। शेख नईम कासिम ने मध्य अशूरा परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान ने भारी नुकसान और बलिदान झेलने के बावजूद खुद को पहले से अधिक मजबूत साबित किया है। उन्होंने कहा कि ईरान कभी भी अपने अधिकारों और क्षेत्रीय प्रभाव को नहीं छोड़ेगा। कासिम के मुताबिक, अमेरिका और इस्राइल ने क्षेत्र में प्रतिरोधी ताकतों को कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र में नई राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियां बन रही हैं।

क्या युद्धविराम के मौजूदा प्रस्तावों को हिजबुल्ला ने खारिज कर दिया है? हिजबुल्ला प्रमुख ने उन युद्धविराम प्रस्तावों की आलोचना की, जिनमें इस्राइल को सैन्य कार्रवाई जारी रखने की छूट दी जाती है। कासिम ने कहा कि ऐसा कोई भी समझौता वास्तव में युद्धविराम नहीं, बल्कि आक्रामकता को जारी रखने का माध्यम है। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत में भी जब हिजबुल्ला ने युद्धविराम का पालन किया, तब इस्राइल ने समझौतों का उल्लंघन किया। उन्होंने साफ कहा कि संगठन ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूरी तरह सैन्य कार्रवाई बंद करने की गारंटी न हो। कासिम ने कहा कि वास्तविक युद्धविराम का मतलब है कि हवा, जमीन और समुद्र से होने वाली सभी सैन्य गतिविधियां पूरी तरह बंद हों। इसके अलावा लेबनान में ढांचों को ध्वस्त करने की कार्रवाई भी समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि इस्राइली सेना लेबनान के कब्जे वाले इलाकों से पूरी तरह पीछे हटे। हिजबुल्ला प्रमुख ने दावा किया कि संगठन को ईरान का मजबूत समर्थन प्राप्त है और तेहरान ने लेबनान की रक्षा को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना एक प्रभावी रणनीतिक हथियार साबित हो सकता है। अमेरिका और ट्रंप को लेकर हिजबुल्ला ने क्या कहा? शेख नईम कासिम ने अमेरिका पर सीधे तौर पर इस्राइल का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मदद के बिना लेबनान में मौजूदा स्तर का संघर्ष संभव नहीं था। कासिम ने दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहें तो इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को तुरंत रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वॉशिंगटन इस्राइल पर दबाव बनाए तो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी मांग को ठुकरा नहीं पाएंगे। कासिम ने दोहराया कि हिजबुल्ला किसी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूर्ण युद्धविराम शामिल न हो। क्या कूटनीतिक प्रयासों के बीच बदल सकता है पश्चिम एशिया का समीकरण? हिजबुल्ला प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत जारी है। पश्चिम एशिया में तनाव समाप्त करने के लिए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद कूटनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं।

स्टार्मर पर इस्तीफे का बढ़ा दबाव, एंडी बर्नहम हो सकते हैं ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक बार फिर राजनीतिक संकट गहराने लगा है। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर लेबर पार्टी के नेता का पद छोड़ने का दबाव बढ़ रहा है। ऐसा होने पर एंडी बर्नहम के लिए ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने का रास्ता लगभग साफ हो जाएगा। स्टार्मर पार्टी के नेता व प्रधानमंत्री पद से सोमवार को इस्तीफा दे सकते हैं। स्टार्मर के इस्तीफे का मतलब है कि ब्रिटेन को 10 वर्षों में 7वां प्रधानमंत्री चुनना होगा। उनसे पहले डेविड कैमरन, टेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक को अपना कार्यकाल खत्म करने से पहले पद छोड़ना पड़ा था। हफ्ते की शुरुआत में उत्तरी इंग्लैंड के मेकरफील्ड उपचुनाव में नाइजेल फाराज की रिफॉर्म यूके पार्टी की तरफ से मिल रही दक्षिणपंथी चुनौती के बावजूद बर्नहम की निर्णायक जीत ने शीर्ष पद के लिए उनकी दावेदारी को मजबूत किया है। हालांकि, स्टार्मर नेतृत्व की किसी भी चुनौती का सामना करने के अपने संकल्प पर अडिग हैं लेकिन उनकी अपनी कैबिनेट के भीतर से उठ रही असहमति की आवाजों ने उनके आगामी हफ्ते तक 10 डाउनिंग स्ट्रीट छोड़ने की अटकलों को हवा दे दी है। एंडी को 300 सांसदों का समर्थन एंडी अपनी संभावित कैबिनेट को आकार देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। द गार्जियन के अनुसार, नए नेता के तौर पर उनका समर्थन करने वाले लेबर सांसदों की संख्या 300 के करीब पहुंच रही है। व्यापार मंत्री पीटर काइल ने रविवार को पत्रकारों की तरफ से स्टार्मर की योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा, इस सप्ताहांत पर बहुत मेहनत करने के साथ-साथ, मुझे लगता है कि वह उन राजनीतिक सच्चाइयों, चुनौतियों और मौकों पर भी सोच-विचार कर रहे हैं जिनका वह सामना कर रहे हैं। नेतृत्व के एक अन्य दावेदार में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग भी शामिल हो सकते हैं। स्टार्मर ने 2024 के आम चुनाव में लेबर पार्टी को बड़ी जीत दिलाई थी। इसके बाद उनकी लोकप्रियता लगातार घटी है। जेफरी एप्स्टीन प्रकरण में स्टार्मर के सबसे भरोसेमंद सहयोगी मॉर्गन मैकस्वीनी को पद से इस्तीफा देना पड़ा था। विदेश मंत्री कूपर ने स्टार्मर को पद छोड़ने को कहा स्टार्मर ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, मुझे दो साल पहले आम चुनाव में देश की सेवा करने के लिए भारी जनादेश के साथ चुना गया था। ...फिलहाल नेतृत्व के लिए कोई मुकाबला नहीं है लेकिन जैसा कि मैंने कई बार कहा है, मुझे नहीं लगता कि देश को अराजकता में धकेलना कोई अच्छी बात है।

सिंधु जल संधि मुद्दे पर भारत को युद्ध की गीदड़भभकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। घरेलू मोर्चे पर लगातार अस्थिरता का सामना कर रही और जम्मू-कश्मीर के अपने अवैध कब्जे वाले हिस्से में निर्दोषों का खून बहाने वाली पाकिस्तान की सरकार ने सिंधु जल संधि को लेकर भारत को युद्ध की गीदड़भभकी दी है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक मीडिया चौनल से कहा, जिस पल हमें लगेगा कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा- और पानी हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है- खतरे में है, हम भारत के खिलाफ युद्ध करेंगे। पक्का।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।